वर्ष-3, अंक-315
इन्दौर शनिवार
9 मई 2026
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761,

चाणक्य नीति

जिसने अपने मन पर विजय प्राप्त कर लिया, वो किसी भी हार से उबरकर फिर से उठ सकता है।

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

विधायक दल की बैठक में अधिकारी चुने गए नेता, अमित शाह ने किया नाम का ऐलान
सुवेंदु लेंगे सीएम पद की शपथ...

शपथ ग्रहण समारोह आज

सुवेंदु अधिकारी शनिवार सुबह 10 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

कोलकाता, ईएमएस

पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव सामने आया है। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी को राज्य का नया मुख्यमंत्री चुना गया है। कोलकाता के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया।

विधायक दल की बैठक के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक रूप से उनके नाम की घोषणा की। इस दौरान शाह ने मंच पर सुवेंदु अधिकारी को माला पहनाकर गले लगाया और जीत की बधाई दी।

ममता बनर्जी को भवानीपुर में हराया

सुवेंदु अधिकारी ने इस विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट से हराकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। इसके अलावा उन्होंने नंदीग्राम सीट से भी लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। वर्ष 2021 के चुनाव में भी उन्होंने नंदीग्राम में ममता बनर्जी को पराजित किया था। 4 मई को घोषित विधानसभा चुनाव परिणामों में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 294 में से 207 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) 80 सीटों पर सिमट गई।

विजय लेंगे 11 बजे शपथ...

टीवीके को कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई(एम) और वीसीके का समर्थन

चेन्नई, ईएमएस। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय के मुख्यमंत्री बनना तय है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के बाद अब विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके), सीपीआई और सीपीआई(एम) ने भी टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया है। इसके साथ ही पार्टी विधानसभा में बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गई है। विजय शनिवार को 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

ऐसे जुटा बहुमत

टीवीके ने 108 सीटों पर जीत हासिल की थी। विजय स्वयं दो सीटों से चुनाव जीते हैं, ऐसे में उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। पार्टी के पास प्रभावी रूप से 107 विधायक रह जाते हैं और बहुमत के लिए 11 अतिरिक्त विधायकों की जरूरत थी। कांग्रेस के 5 विधायक पहले ही टीवीके को समर्थन दे चुके थे। इसके बाद सीपीआई और सीपीआई(एम) के दो-दो विधायकों तथा वीसीके के समर्थन से पार्टी बहुमत के जरूरी आंकड़े तक पहुंच गई।

टीवीके समर्थकों का प्रदर्शन

सरकार गठन को लेकर जारी सियासी हलचल के बीच शुक्रवार सुबह टीवीके समर्थकों ने चेन्नई स्थित राजभवन (लोकभवन) के बाहर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कई समर्थकों को हिरासत में लिया। टीवीके ने यह भी कहा है कि यदि डीएमके और एआईएडीएमके गठबंधन कर सरकार बनाने का दावा पेश करते हैं, तो पार्टी के सभी विधायक इस्तीफा दे सकते हैं।

राज्यपाल ने सरकार बनाने का दिया न्यौता

विजय ने शुक्रवार को भी लगातार तीसरे दिन राज्यपाल से मिलने का समय मांगा। इससे पहले 6 और 7 मई को भी वे राज्यपाल से मिले थे, इसके बाद शुक्रवार को बहुमत का पत्र मिलने के बाद राज्यपाल ने उन्हें सरकार बनाने का न्यौता दे दिया है।

हिमंता सीएम की दौड़ में आगे

12 मई को भव्य शपथ ग्रहण समारोह

गुवाहाटी, ईएमएस। असम में विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद अब नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। राज्य में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी कर इतिहास रचने वाले एनडीए गठबंधन के विधायक दल की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को होने जा रही है।

इस बैठक में औपचारिक रूप से विधायक दल के नए नेता का चुनाव किया जाएगा। राजनीतिक गलियारों में इस बात की पूरी संभावना जताई जा रही है कि हिमंत बिस्वा सरमा को एक बार फिर सर्वसम्मति से नेता चुना जाएगा। नवनिर्वाचित सरकार का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार, 12 मई को गुवाहाटी के खानपाड़ा स्थित वेटरनरी कॉलेज खेल मैदान में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस भव्य कार्यक्रम में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और एनडीए शासित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की पुष्टि हुई है।

राज्यपाल की भूमिका पर चिदंबरम ने उठाए सवाल

नई दिल्ली,ईएमएस। तमिलनाडु की नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने राज्यपाल की संवैधानिक भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता, तब राज्यपाल का कर्तव्य होता है कि वह सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करे। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कहा कि यह केवल राजनीतिक परंपरा ही नहीं, बल्कि संसदीय व्यवस्था का स्थापित नियम भी है। उन्होंने लिखा कि निर्वाचित विधायकों की संख्या के आधार पर सबसे बड़े दल के नेता को पहले सरकार गठन का मौका मिलना चाहिए। इसके बाद वह विधानसभा में बहुमत साबित कर सकता है। कांग्रेस नेता ने अपने बयान में सुप्रीम कोर्ट के 1994 के ऐतिहासिक फैसले का भी उल्लेख किया।

सोमनाथ मंदिर भारत की सभ्यता स्वाभिमान और अदम्य आस्था का प्रतीक

पीएम मोदी ने मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर कही बात

नई दिल्ली, ईएमएस। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर को भारत की सभ्यता, स्वाभिमान और अदम्य आस्था का प्रतीक बताते हुए कहा है कि यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक चेतना और अटूट संकल्प का जीवंत प्रतीक है।

पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर लिखे अपने विशेष लेख में पीएम मोदी ने कहा कि 11 मई को उन्हें एक बार फिर सोमनाथ जाने का अवसर मिल रहा है, जो उनके लिए सौभाग्य की बात है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि 2026 की शुरुआत में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होने का अवसर मिला था, जो मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। अब पुनर्निर्माण की 75वीं वर्षगांठ भारत की उस अविनाशी चेतना का उत्सव है, जिसने हर विध्वंस के बाद नए संकल्प के साथ स्वयं को पुनर्स्थापित किया है। उन्होंने लिखा कि सोमनाथ के तट से टकराती समुद्री लहरें सदियों से यह संदेश देती रही हैं कि मानव चेतना और आस्था को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। अपने लेख में पीएम मोदी ने उन महान विभूतियों का भी स्मरण किया जिन्होंने विभिन्न कालखंडों में सोमनाथ की रक्षा और पुनर्निर्माण में योगदान दिया। उन्होंने महाराज धारसेन चतुर्थ, राजा भोज, कर्णदेव सोलंकी, अहिल्याबाई होल्कर, गायकवाड़ शासकों तथा वीर हमीरजी गोहिल और वेगड़ाजी भील जैसे योद्धाओं के योगदान को याद किया। पीएम मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि 13 नवंबर 1947 को उन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का प्रण लिया था।

इनकम टैक्स इंस्पेक्टर 7वीं मंजिल से कूदा, मौत

आगरा, ईएमएस। आगरा में आयकर विभाग के रिकवरी इंस्पेक्टर सुरेश चंद्र मौर्य (48) ने संजय प्लेस स्थित अपने कार्यालय की सातवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली।

इस दर्दनाक घटना से विभाग और उनके परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। शास्त्रीपुरम निवासी सुरेश अपनी पत्नी अलका और दो बच्चों के साथ रहते थे, जिसमें एक बेटी यूपीएससी की तैयारी कर रही है और बेटा बीटेक का छात्र है। ड्यूटी पर न रहने के बाद, सुरेश शाम करीब 5:30 बजे अपनी एक्टिवा गाड़ी से आयकर भवन पहुंचे। सुरक्षाकर्मी लोकेंद्र ने उन्हें अंदर जाते देखा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सौजन्य मुलाकात की और समसामयिक विषयों पर चर्चा की...

कटनी बनेगा माइनिंग कैपिटलः सीएम डॉ. यादव

भोपाल, ईएमएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का कटनी जिला देश के महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क, मार्बल और लेटराइट जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध कटनी अब स्वर्ण अयस्क के साथ ही डोलोमाइट के विशाल भंडार खनन के लिये तैयार हैं। कटनी के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा में 50 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कॉर्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है।

इस निर्णय से कटनी में खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि अब कटनी 'माइनिंग कैपिटल' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि कटनी केवल 'चूना नगरी' तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह खनिज आधारित औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा।

एसआईआर ट्रिब्यूनल के जज शिवगणनम का इस्तीफा

कोलकाता, ईएमएस। एसआईआर ट्रिब्यूनल के जस्टिस कोलकाता हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस टीएस शिवगणनम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है, उन्होंने हाल ही में कांग्रेस उम्मीदवार का नाम मतदाता सूची में जोड़ने का आदेश दिया था। वह चुनाव जीत गया है। इस फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में विवाद बढ़ गया था। इस्तीफे के पीछे व्यक्तिगत कारण बताए गए हैं, विपक्ष ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से की मुलाकात

नई दिल्ली, ईएमएस। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर केरल की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और पार्टी से जुड़े घटनाक्रमों पर चर्चा की। थरूर ने इस मुलाकात को लेकर कहा कि अनुभवी और स्पष्ट विचारों वाले वरिष्ठ नेता से विचार साझा करना हमेशा अच्छा होता है।

थरूर ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलकर मैंने उन्हें केरल के हालात के बारे में अपनी राय बताई और पार्टी से जुड़े हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा की। इस मजबूत, बेबाक और अनुभवी दिग्गज नेता के साथ अपने विचार साझा करना हमेशा अच्छा लगता है। इसके अलावा शशि थरूर ने स्थानीय नेताओं से भी मुलाकात की। उन्होंने तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से विजयी विधायक सी पी जॉन को जीत पर बधाई दी। थरूर ने पोस्ट में विधायक जॉन के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से जीतने वाले विधायक सीपी जॉन को उनकी शानदार जीत पर व्यक्तिगत रूप से बधाई देना अच्छा लगा।

बेबाक और अनुभवी नेता के साथ विचार साझा करना अच्छा लगा

तमिलनाडु में चुनाव के बाद 100 से ज्यादा विधि अधिकारियों ने छोड़ी नौकरी

चेन्नई,ईएमएस। तमिलनाडु में नई सरकार के गठन को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच एक बड़ा प्रशासनिक घटनाक्रम सामने आया है। राज्य सरकार की पैरवी करने वाले 100 से ज्यादा विधि अधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। बता दें इससे पहले पश्चिम बंगाल में भी कई अधिकारियों ने अपनी नौकरी छोड़ दी थी।

तमिलनाडु में एडवोकेट जनरल पी एस रमन के नेतृत्व वाले इन अधिकारियों ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है। दरअसल, सरकारी वकीलों और विधि अधिकारियों की नियुक्तियां काफी हद तक राजनीतिक होती हैं। परंपरा के मुताबिक जब भी राज्य में सत्ता परिवर्तन होता है या नई सरकार आने वाली होती है तो पिछली सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारी पद छोड़ देते हैं ताकि नई सरकार अपनी पसंद के वकीलों को नियुक्त कर सके। इस्तीफे के बावजूद, इन अधिकारियों को एक सप्ताह और पद पर बने रहने का निर्देश दिया गया है।

देश में बढ़ते अपहरण के मामलों ने बढ़ाई चिंता

रिपोर्ट- एक दशक में 10 लाख से ज्यादा मामले आए सामने

नई दिल्ली, ईएमएस। दिल्ली स्थित सिविल सेवा परीक्षा कोचिंग सेंटर की निदेशक शुभ्रा रंजन का 3 मई को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया गया था और 1.89 करोड़ रुपए से ज्यादा की फिरौती मांगी गई थी।

इस तरह के अपराध का यह अकेला मामला नहीं है। पिछले एक दशक में 10 लाख से ज्यादा अपहरण के मामले सामने आए हैं। यही नहीं, वर्ष 1953 से 2024 के बीच अपहरण और अगवा करने के 20 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए गए।

टीसीएस मामले में फरार चल रही निदा फ्लैट से गिरफ्तार

नासिक, ईएमएस। नासिक के चर्चित टीसीएस मामले में फरार चल रही निदा खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उसकी पहली तस्वीर भी सामने आई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक निदा खान पिछले कई दिनों से कैसर कॉलोनी स्थित एक फ्लैट में रह रही थीं। हैरानी की बात यह रही कि उसके साथ चार रिश्तेदार भी उसी फ्लैट में रह रहे थे।

पुलिस को लंबे समय से उसके लोकेशन बदलने की जानकारी मिल रही थी, लेकिन हर बार वह जांच एजेंसियों से बच निकल रही थी। आखिरकार नासिक क्राइम ब्रांच और छत्रपति संभाजी नगर पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में उसे हिरासत में ले लिया। रात करीब 11=30 बजे पुलिस टीम ने उसे डिटेन किया। गिरफ्तारी के बाद सबसे पहले उसका मेडिकल और हेल्थ चेक-अप कराया गया। इसके बाद उसे ट्रांजिट वारंट की प्रक्रिया के लिए संभाजी नगर कोर्ट में पेश किया। अब उसे नासिक ले जाया जाएगा, जहां कोर्ट में पेशी होगी। पुलिस के मुताबिक मामला सामने आने के बाद से ही निदा खान जांच एजेंसियों के रडार पर थी।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट

निवेशकों को भारी नुकसान डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर...

मुंबई, ईएमएस। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को तेज गिरावट दर्ज की गई है। बीएसई और एनएसई के निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। सेंसेक्स 516 तथा निफ्टी 150 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। बैंकिंग, आईटी और ऑटो सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार विदेशी निवेशकों की बिकवाली, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और अमेरिकी बाजारों के दबाव ने भारतीय बाजार को कमजोर किया। गिरावट के कारण निवेशकों की लाखों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। डॉलर के मुकाबले रुपए में भी गिरावट देखने को मिली है।

अगले 72 घंटे बेहद संवेदनशील रहेगा मौसम
कई राज्यों में आंधी-बारिश का कहर...
कहीं बिजली गिरने की चेतावनी तो कहीं 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

नई दिल्ली, ईएमएस। मई के महीने में अभी तक तो गर्मी से थोड़ी राहत मिल रही है। कहीं धूल भरी आंधियां चल रही हैं, कहीं बिजली गिरने की चेतावनी है तो कहीं 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाओं का खतरा है। मौसम विभाग और निजी एजेंसी ने अगले 72 घंटों को बेहद संवेदनशील बताया है। उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत तक मौसम का मिजाज बदल रहा है।

उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की संयुक्त गतिविधियों ने पूरे देश में अस्थिर मौसम पैदा कर दिया है। सबसे ज्यादा चिंता पूर्वोत्तर भारत को लेकर जताई जा रही है, जहां अगले तीन दिन तेज तूफान और मूसलाधार बारिश का असर देखने को मिल सकता है।

होर्मुज में मिसाइल और ड्रोन हमलों से दहला समंदर

ईरान ने 3 जहाजों पर हमला कर खदेड़ा अमेरिकी सेना को

वॉशिंगटन, ईएमएस। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर होर्मुज जंग का अखाड़ा बन गया। ईरान ने अमेरिका के तीन जहाजों पर हमलाकर सबक सिखाने की कोशिश की। भीषण हमलों को देखते हुए अमेरिकी सेना भी भाग खड़ी हुई। दोनों देशों की सेनाओं ने एक-दूसरे पर मिसाइलों और ड्रोन से भीषण हमले किए। इस अचानक हुई सैन्य झड़प ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है।

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में मौजूद अमेरिका के तीन नौसैनिक जहाजों को निशाना बनाते हुए जोरदार हमला किया, जिसे कुछ विशेषज्ञों ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान हुए पर्ल हार्बर हमले जैसी स्थिति करार दिया। ईरानी घेराबंदी के कारण अमेरिकी जहाजों को एक समय रक्षात्मक स्थिति में पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा, जिसके बाद अमेरिका ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरानी ठिकानों पर बमबारी की।इस पूरे विवाद की जड़ संघर्षविराम के उल्लंघन के आरोपों में छिपी है। ईरान की मिलिट्री कमांड का दावा है कि अमेरिका ने पहले उसके दो जहाजों को निशाना बनाया, जिसके जवाब में ईरानी सेना ने चाबहार पोर्ट के दक्षिण में मौजूद अमेरिकी नौसेना के बेड़े पर हमला बोला। ईरान के खतम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने दावा किया कि इस जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी सेना को भारी नुकसान पहुंचा है।

असम और बंगाल में बीजेपी की सरकार बनते ही ढाका हुआ अलर्ट
बांग्लादेश ने भारतीय सीमा पर बढ़ाई चौकसी

ढाका, ईएमएस

भारत के असम और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद बांग्लादेश ने अपनी भारतीय सीमा पर चौकसी बढ़ाई है। बांग्लादेश को आशंका है कि इन राज्यों में भाजपा सरकार बनने के बाद अवैध घुसपैठियों को वापस बांग्लादेश की सीमा में भेजा जा सकता है। इसकारण बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने जशोर और खुलना के करीब 102 किलोमीटर तथा चापाइनवाबगंज के 140 किलोमीटर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा और निगरानी कड़ी कर दी है। रिपोर्टों के अनुसार, जशोर-49 बीजीबी बटालियन और खुलना-21 बीजीबी के अधिकार क्षेत्र वाले बेनापोल सीमा क्षेत्रों, जिनमें रघुनाथपुर, शिकारपुर, सादीपुर, पुतखाली और गोगा जैसे प्रमुख बिंदु शामिल हैं। जशोर-49 बीजीबी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर, लेफ्टिनेंट कर्नल गुलाम मोहम्मद सैफुल आलम खान ने बताया कि बल सभी प्रकार की घुसपैठ और सीमा पार अपराधों को रोकने के लिए हाई अलर्ट पर है। इन इलाकों में गश्त और चौबीसों घंटे निगरानी भी तेज कर दी गई है। बांग्लादेशी अधिकारियों ने सीमावर्ती इलाकों के निवासियों को अनावश्यक आवाजाही, खासकर रात के समय, से बचने की चेतावनी भी दी है।

कर्नल गुलाम मोहम्मद ने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए सीमा पर कड़ी निगरानी हो रही है कि भारत से कोई भी घुसपैठिया बांग्लादेश में प्रवेश न कर सके। इसके अतिरिक्त, चापाइनवाबगंज में 53 बीजीबी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल काजी रहमान ने पुष्टि की है कि बीजीबी कड़ी निगरानी रख रहा है ताकि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) किसी को भी अवैध रूप से बांग्लादेश में धकेल न सके। आपातकालीन उद्देश्यों को छोड़कर %जीरो लाइन (सीमा रेखा) के पास आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई है। बांग्लादेश की आशंका इस तथ्य से उपजी है कि भाजपा सरकार अवैध घुसपैठियों को लेकर काफी सख्त रही है, और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी इस मुद्दे पर मुखर रहे हैं। चूंकि बांग्लादेश सरकार भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले अपने नागरिकों की पुष्टि करने से आनाकानी कर रही है, जिससे 2000 से अधिक घुसपैठियों की पहचान की पुष्टि लंबित है। इसतरह ढाका को डर है कि भारत इन लोगों को उसकी सीमा में जबरन भेज सकता है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है।

जनभावना

संपादकीय

क्या राज्यपाल संवैधानिक मर्यादा से ऊपर हैं ?

तमिलनाडु में चुनाव परिणाम आने के बाद उत्पन्न राजनीतिक स्थिति ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र में राज्यपाल की भूमिका को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। पहली बार चुनाव मैदान में उतरी अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी ने 108 सीटें जीतकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। इसके साथ ही सरकार बनाने का दावा विजय राज्यपाल के सम्मुख कर चुके हैं। कांग्रेस के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई। बहुमत के लिए 118 विधायकों की आवश्यकता है। इसके बावजूद राज्यपाल द्वारा सरकार गठन के लिए आमंत्रित न करना केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। भारतीय संविधान में राज्यपाल को एक संवैधानिक प्रमुख माना गया है, न कि राजनीतिक निर्णायक। संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यही है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की इच्छा सर्वोपरि होगी। जब किसी दल को स्पष्ट बहुमत न मिले, तब सबसे बड़े दल या गठबंधन को सरकार बनाने का अवसर देना एक स्थापित संवैधानिक परंपरा बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कई ऐतिहासिक फैसलों में यह स्पष्ट किया है कि बहुमत का परीक्षण विधानसभा के भीतर होना चाहिए, राजभवन में नहीं। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा और उत्तराखंड जैसे मामलों में न्यायपालिका ने बार-बार यही सिद्धांत दोहराया है।

वर्तमान में तमिलनाडु का मामला इसलिए अधिक गंभीर माना जा रहा है क्योंकि चुनाव नतीजों के मुताबिक दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली अन्य पार्टियों ने सरकार बनाने का दावा ही प्रस्तुत नहीं किया है। ऐसी स्थिति में सबसे बड़े दल को शपथ ग्रहण का अवसर न देना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से बाधित करने जैसा प्रतीत होता है। राज्यपाल यदि यह कहें कि पहले पूर्ण बहुमत साबित करें, तभी शपथ दिलाई जाएगी, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि फिर विधानसभा में बहुमत परीक्षण की परंपरा का महत्व क्या रह जाएगा? पिछले कुछ वर्षों में देश के कई राज्यों में राज्यपाल और निर्वाचित सरकारों के बीच टकराव बढ़ा है। विपक्ष शासित राज्यों में विधेयकों को महीनों और कभी-कभी वर्षों तक लंबित रखना, सरकारों के प्रशासनिक निर्णयों में हस्तक्षेप तथा राजनीतिक बयानबाजी ने इस पद की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। संविधान निर्माताओं ने राज्यपाल पद की कल्पना केंद्र और राज्य के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए की थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह पद कई बार राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनता दिखाई देता है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यदि संवैधानिक पदों पर बैठे लोग न्यायालयों द्वारा स्थापित सिद्धांतों की भी अनदेखी करने लगें, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कमजोर होने लगता है। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने से नहीं चलता; वह संवैधानिक मर्यादा, संस्थागत निष्पक्षता और स्थापित परंपराओं के सम्मान पर टिकता है। यदि निर्वाचित सरकारों के गठन में भी व्यक्तिगत विवेक या राजनीतिक झुकाव हावी होने लगे, तो यह संघीय ढांचे के लिए खतरे का संकेत होगा। ऐसे समय में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट को यह स्पष्ट करना होगा कि राज्यपाल का विवेक सीमित है और वह संविधान से ऊपर नहीं हो सकता। लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के जनादेश की होती है। उस जनादेश का सम्मान करना ही संविधान की वास्तविक आत्मा है। **सनत जैन**

राज काज

6 माह तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया है। अब विधायक उन्हें छोड़कर चले भी जाएं। राज्यपाल उन्हें विश्वास अर्जित करने के लिए नहीं बोल सकते हैं। विश्वास मत प्राप्त करके उन्होंने 6 माह तक मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का लाइसेंस प्राप्त कर लिया है। बड़ी चर्चा हो रही है, विपक्ष मान पर शराब पीकर विश्वास मत प्रस्तुत करने का आरोप लगा रहा है। शराब के नशे में वह इतना साहस कर पाए हैं। विपक्ष को इसे समझना होगा।

गरीबों के पास बहुत पैसा है ?

सरकार ने जीएसटी में 2.42 लाख करोड रुपए का राजस्व अप्रैल माह में वसूल किया है। सरकार ने आंकड़ा जारी करते हुए कहा, 8.7 फ़ीसदी की टैक्स वृद्धि हुई है। भारत की आबादी 140 करोड़ से ज्यादा है । भले गरीब हैं, लेकिन टैक्स तो हर चीज में गरीब और मध्यम वर्ग ही देता है। बड़े आदमी तो जीएसटी नहीं देते हैं। सरकार इस बात को अच्छी तरह से जानती है। गरीब भले चटनी के साथ रोटी खा लेगा, लेकिन सरकार को टैक्स जरूर देगा। इसलिए सरकार ने 5 किलो वाले छोटे सिलेंडर की गैस का रेट सबसे महंगा रखा है। 162 रुपए किलो में गरीबों को रसोई गैस मिल रही है।

न्यायपालिका भी राजनीति करना सीख गई

सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्वा शर्मा को कोर्ट के अंदर जमकर फटकार लगाई। जिसकी सारे देश में चर्चा हो रही है। जब फैसला आता है,तो उसमें फटकार कहीं दिखती नहीं है। इसे कहते हैं, सांप भी निकल गया और लाठी भी नहीं टूटी। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जज अब इसी तरह से कोर्ट के अंदर फटकार लगाते हैं। आदेश में सब कुछ भूल जाते हैं। फटकार और आदेश के बीच में क्या होता है। अब इसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है।

भारत में चुनाव आयुक्त सर्वशक्तिमान ?

भारत सरकार ने चुनाव आयुक्त को प्रधानमंत्री राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के जज से भी ऊपर संरक्षित रखा है। जब तक चुनाव आयुक्त रहेगा। उसके ऊपर कोई आपराधिक मुकदमा नहीं चल सकता है। वह सही करे, या गलत,अदालत गलत सही आदेश की समीक्षा नहीं कर सकती है। पिछले 10 महीना में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट मैं सुनवाई के दौरान जो भी फैसले आए हैं। उसमें कहा गया है,चुनाव आयोग को विशेष अधिकार प्राप्त हैं। वह जो करता है, वह सही है। अभी तक 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। संसद के अधिकार का उपयोग भी अब चुनाव आयुक्त नियम बनाने के लिए कर रहा है। आगे कितने मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे। चुनाव आयोग ही मालिक है। पहले एक वोटर के लिए चुनाव आयोग जंगल में वोट लेने चला जाता था। अब लाखों वोट काटने का रिकॉर्ड बना रहा है।

चुनाव आयोग के साथ न्याय पालिका की साख संकट में ?

सनत कुमार जैन

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के एक महत्वपूर्ण स्तंभ भारत निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न उठने लगे हैं। चुनाव परिणामों को लेकर राजनीतिक दलों, विशेषकर तृणमूल कांग्रेस, द्वारा घोषित परिणाम स्वीकार नहीं किये हैं। इस बार का मामला केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहा। आम जनता के बीच भी आयोग की विश्वसनीयता को लेकर पंश्चिम बंगाल में संशय गहरा गया है। पिछले दो वर्षों से चुनाव आयुक्त की कार्य प्रणाली को लेकर कई आरोप सामने आ रहे हैं। उनमें प्रमुख विवाद 'गोपनीयता' का है। चुनाव आयोग पहले सभी राजनैतिक दलों से परामर्श करके, चुनाव की सारी व्यवस्था करता था। मतदाता सूची से लेकर मतदान तक की सभी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाती थी। पिछले कुछ वर्षों में जब चुनाव आयुक्त राजीव कुमार बने। उसके बाद से चुनाव आयोग की यह व्यवस्थाएं बदल गईं जिसके कारण चुनाव आयोग पर संदेह लगातार गहराता जा रहा है।

मतदाता सूची, मतदान प्रतिशत और मतगणना से जुडी जानकारी को सार्वजनिक करने के स्थान पर चुनाव आयोग द्वारा गोपनीयता बरती जा रही है।उसने चुनाव आयोग की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगने लगा है। लोकतंत्र में सूचना का अधिकार नागरिकों का मूल अधिकार है। जब चुनाव जैसी संवेदनशील जानकारी को गोपनीयता के दायरे में लाया जा रहा है। उसके बाद संदेह स्वाभाविक रूप से बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही चुनाव आयोग द्वारा नियमों में बार-बार मनमाने तरीके से बदलाव किया जा रहा है। जिसका अधिकार चुनाव आयोग को न होकर संसद के पास है।तब यह संदेह और भी गहरा जाता है। चुनाव अधिसूचना जारी हो जाने के बाद, जिस तरह से चुनाव आयोग की मनमानी और पक्षपात शुरू हो जाती है। जहां डबल इंजन की सरकार हैं। उनके लिए अलग नियम जहां केंद्र सरकार से इतर विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वहां पर अधिकारियों की नियुक्तियों एसआईआर को लेकर भी विवाद सामने आए हैं। उसने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर बड़ा संदेह उत्पन्न कर दिया है। चुनाव आयोग का दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है। हर पक्ष को समान अवसर तथा चुनाव लड़ने वाले सभी राजनैतिक दलों और उनके उम्मीदवारों के साथ बराबरी का निष्पक्षता के साथ व्यवहार हो। पश्चिम बंगाल के चुनाव में लाखों की संख्या में अर्धसैनिक बलों की तैनाती इस बार गंभीर विवाद का विषय बना है। भाजपा शासित राज्यों के अधिकारियों को बड़े पैमाने पर बंगाल की डियुटी में लगाया गया।

सुरक्षा की दृष्टि से यह आवश्यक बताया गया। वहीं विपक्षी दलों द्वारा इसे 'इच्छित परिणाम' की दिशा में चुनाव आयोग की मिली भगत बताया गया। भाजपा की शिकायतों

पर त्वरित रूप से चुनाव आयोग द्वारा कार्रवाई की गई। विपक्षी दलों द्वारा चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर जो शिकायतें की गई। उनका चुनाव आयोग ने कोई संज्ञान नहीं लिया। इस बात का आरोप टीएमसी से लेकर सभी विपक्षी दलों द्वारा सभी राज्यों में लगाया जा रहा है। महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ इत्यादि के विधानसभा और लोकसभा 2024 के चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव आयोग पर समय-समय पर गड़बड़ी किए जाने के आरोप भी लगाए गये हैं।

चुनाव आयोग ने ना तो इस तरह के आरोपों एवं आपत्ति पर ना कोई सफाई दी ना जांच कराई। विपक्ष को इसका कोई उपयुक्त जवाब नहीं मिला, जिसके कारण अब चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर आम जनता के मन में भी शंका होने लगी। क्या कारण है, कि चुनाव आयोग सभी जानकारियों को छिपाना और गोपनीय रखना चाहता है। एसआईआर और चुनाव आयोग द्वारा समय समय पर नियमों में जो बदलाव किये। उसको लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने यह मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी उठाकर न्याय प्राप्त करने की चेष्टा की। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहा गया, चुनाव आयोग को विशेष अधिकार प्राप्त हैं। ऐसी स्थिति में वह अभी कोई हस्तक्षेप नहीं करेंगे। जिसके कारण चुनाव आयोग की भूमिका का यह मामला तूल पकड़ता चला जा रहा है। राजनीतिक दलों से उठकर एसआईआर में लाखों मतदाताओं के नाम कटने से यह मामला आम जनता को सीधे प्रभावित कर रहा है। चुनाव को लेकर, यदि जनता के मन में यह बैठ जाए, कि चुनाव निष्पक्ष नहीं है। तो इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो सकती है।

लोकतंत्र व्यवस्था के लिए अत्यंत खतरनाक संकेत है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कानून का मामला सुप्रीम कोर्ट में पिछले दो वर्षों से लंबित है। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने अभी सुनवाई शुरु की है। पिछले 10 महीने से चुनाव आयोग के निर्णय और एसआईआर को लेकर मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। इस मामले में अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं आया है। एसआईआर संवैधानिक है, या नहीं, इसको लेकर संवैधानिक विशेषज्ञों की अलग-अलग राय हैं। इसी बीच विधान सभाओं के भी चुनाव होते जा रहे हैं। अभी तक एसआईआरे में 5 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। इसका अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। इसके बाद भी राजनैतिक दलों और मतदाताओं को सुप्रीम कोर्ट से न्याय नहीं मिल पा रहा है। उसको लेकर अब आम जनता के बीच में भी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

नागरिकता साबित करने के लिए आम गरीब मतदाताओं को चुनाव आयोग और ट्रिब्यूनल के चक्कर लगाने पड़े। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया वर्तमान में विवादित है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग को निर्णयों की निष्पक्षता पर संदेह होना स्वाभाविक है। पिछले 75 वर्षों में भारत के चुनाव आयोग ने कई जटिल परिस्थितियों में सफलतापूर्वक चुनाव कराए हैं। चुनाव आयोग की साख अंतरराष्ट्रीय स्तर में सबसे बेहतर थी। वर्तमान परिस्थितियों मे चुनाव आयोग को अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना, चुनाव से संबंधित सभी जानकारियों को सार्वजनिक करना, चुनाव प्रक्रिया को स्पष्ट और न्यायसंगत बनाना चुनाव आयोग के साथ-साथ न्यायपालिका के लिए भी जरूरी हो गया है। संसद में चुनाव आयुक्त के खिलाफ यदि महाभियोग प्रस्ताव आ जाता है। यह बहुत गंभीर स्थिति है। यह अलग बात है , दोनों सदनों ने महाभियोग प्रस्ताव को अस्वीकर कर दिया है। इससे चुनाव आयोग पर मिलीभगत और सरकार के दबाव में काम करने के जो आरोप लग रहे है। वह खत्म नहीं हुए। बल्कि यह माना जाने लगा , चुनाव आयोग केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। उसे सरकार और भाजपा का संरक्षण प्राप्त है। भारत में संविधान और लोकतंत्र के प्रति आस्था बनाए रखना है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग को साख को फिर से मजबूत बनाना होगा। चुनाव आयोग केवल एक संस्था नहीं है। लोकतंत्र की आत्मा का प्रतिनिधित्व और नागरिक अधिकारों की स्वतंत्रता बनाए रखने का काम चुनाव आयोग करता है। उसकी निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं, तो यह एक संस्था का नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक बड़ा संकट बन जाता है।इस मामले में न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। वह संविधान और कानून का पालन कराने में अपनी शक्ति और भूमिका का सही ढंग से पालन करे। बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल इत्यादि पड़ोसी देशों में जिस तरह की प्रतिक्रिया आम जनता की देखने में आई है। समय की मांग है, चुनाव आयोग आयोग चुनौतियों का सामना और जवाबदेही के साथ चुनाव कराये। जनता का विश्वास, चुनाव आयोग पर बहाल हो। न्यायपालिका को भी अपनी जिम्मेदारी को समझाना होगा। पिछले 10 महीने में न्यायपालिका की जो भूमिका देखने को मिली है।

उसके बाद यह धारणा बनने लगी है, अप्रत्यक्ष समर्थन कहीं ना कहीं न्यायपालिका से भी चुनाव आयोग को मिल रहा है। यदि यह संदेश गया, तो स्थिति आगे चलकर खतरनाक हो सकती है। समय रहते न्यायपालिका को विवादों को त्वरित रुप से सुलझाने के लिए आगे आना होगा। तारीख पर तारीख की आम जनता के बीच तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जो न्याय पालिका की साख को कमजोर कर रही है।

सुविचार

तलवार ही सब कुछ है, उसके बिना न मनुष्य अपनी रक्षा कर सकता है और न निर्बल की।

- गुरु गोविंद सिंह

निज भाषा उन्नति अहै, सब भाषा को मूल। बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटै न हिय को शूल।

- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

प्रसंगत

जज का फैसला

पी डब्ल्यू स्मिथ अमेरिका के मशहूर जज थे। एक बार वह अदालत से घर लौट रहे थे। रास्ते में उनकी गाड़ी से टकरा कर एक व्यक्ति घायल हो गया। तत्काल भीड़ इकट्ठा हो गई और जैसा कि होता है, सभी लोग कार चालक को बुरा-भला कहने लगे। लेकिन लोगों को जब पता चला कि कार चालक कोई और नहीं जाने-माने न्यायाधीश स्मिथ हैं, तो लोग घायल व्यक्ति को ही दोषी ठहराने लगे। स्मिथ ने कहा, 'इस समय कौन दोषी है, इसका फैसला आप लोग नहीं कर सकते। इसका निर्णय तो अदालत करेगी। इस समय तो इस शख्स को इलाज की जरूरत है।' जज साहब लोगों की मदद से घायल व्यक्ति को अस्पताल ले गए और उसकी मरहम पट्टी कराई। इसके बाद उन्होंने अस्पताल में तैनात पुलिस से कहा, 'यह मेरी गाड़ी से घायल हुआ है, मेरे खिलाफ इसका केस दर्ज किया जाए।' पहले तो पुलिस वालों ने आनाकानी की, लेकिन स्मिथ के दबाव पर केस दर्ज हो गया। दूसरे दिन पुलिस ने उनके सामने यह केस पेश किया। इससे कुछ दिनों पहले स्मिथ ने इसी तरह के हादसे में एक व्यक्ति को 15 दिन की कैद या 15 डॉलर जुर्माने की सजा सुनाई थी। उसी फैसले को नजीर मान कर उन्होंने अपने को वही सजा सुना दी, फिर पुलिस से कहा, 'मुझे जेल ले चलो।'

जरा हटके

एक मानव रूपी रोबोट ने ली बौद्ध भिक्षु की दीक्षा

सोल (ईएमएस)। बौद्ध धर्म में तकनीक और परंपरा का अनोखा संगम देखने को मिला। एक मानव रूपी रोबोट ने बुद्ध जयंती में गुरु से औपचारिक रूप से भिक्षु दीक्षा लेकर गुरु आज्ञा पालन और धर्म सेवा की प्रतिज्ञा की। यह दुनिया का पहला ऐसा रोबोट है, जिसे बौद्ध परंपरा के अनुसार दीक्षित किया गया है। रोबोट को मंत्रोच्चार, ध्यान प्रक्रिया और अनुशासन संबंधी निर्देश के साथ गुरु द्वारा लगातार प्रशिक्षित किया जाएगा। इस कदम ने कई पारंपरिक भिक्षुओं के बीच चिंता बढ़ा दी है। उनका मानना है कि भविष्य में रोबोट धार्मिक और आध्यात्मिक भूमिकाओं में बौद्ध भिक्षुओं के लिए चुनौती बन सकते हैं। रोबोट हर मामले में उनसे आगे रहेगा।

फोटो ऑफ द डे

मेलबर्न एयरपोर्ट पहुंची एक महिला अपने समर्थकों से घिरी हुई। इस महिला के तार इस्लामिक स्टेड ग्रुप से जुड़े बताये गये हैं। -फोटो-ईएमएस

व्यंग

अजब-गज़ब निर्णय

संजीव शुक्ल

पहली बार इतने अजब-ग़ज़ब निर्णयों से सामना हुआ कि अब लगता है कि कुछ भी सम्भव हो सकता है, असम्भव कुछ भी नहीं। अब जैसे कि बिना आई ए? एस परीक्षा के भी भारत में सिविल सेवकों की कल्पना की जा सकती है। सेना की भर्ती भी संविदा पर हो सकती है। शुरू-शुरू में लोग-बाग बेचैन हुए कि सेना में भी संविदा!! यह तो बहुत ग़लत है!! फिर इस नैरेटिव को तोड़ने के लिए सामने आया हमारा खाया-पिया-अघाया और सेवारत वर्ग जो वर्तमान सत्ता के कुशल नेतृत्व में भारत के विश्वगुरु बनने के प्रति लगभग आश्वस्त हो चुका था। इस वर्ग ने इस कालजयी योजना के फ़ायदे बताने शुरू किए और फिर देखते-देखते यह योजना हम सभी को क्रांतिकारी लगने लगी।

निर्णय तो यह भी लिया गया कि अबसे तक्षशिला बिहार में स्थित माना जाएगा। पाकिस्तान चिल्लाया करे कि तक्षशिला हमारे यहाँ है, हम नहीं मानते तो नहीं मानते। अब तक की सरकारें पाकिस्तानपरास्त थीं, इसलिए उनसे इस तरह घोषणा की उम्मीद की भी कैसे जाती? इसके अलावा पिछली सभी सरकारें लीज़ पर थीं, कहने का मतलब वह पूर्ण संप्रभु सरकारें नहीं थीं। नेहरू को पूर्ण आज़ादी नहीं मिली थी, वह तो कांग्रेसियों ने सिर्फ़ भरम फैला रखा था कि हमने आज़ादी पा ली। लिहाज़ा तक्षशिला के भारत में होने की घोषणा करना उनके बस में नहीं था। हमने वर्बल स्ट्राइक की। हमने दिखा दिया कि एक जुमले से भूगोल का इतिहास कैसे बदला जा सकता!! हालाँकि इसके पीछे इतिहास बदलने की हमारी पुरानी कारिस्तानियों का एक लंबे अनुभव का भी योगदान रहा है। अब देखिए न कि किस कुशलता से हमने अपने उन नायकों को जिन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद को कुचलने में महती भूमिका निभाई, को परे रखकर, गाँधी और नेहरू की राष्ट्रभक्ति पर सवाल खड़े कर दिए। और सिर्फ़ यही नहीं आप देखिए कि किस तरह हमने गाँधी और नेहरू की क़ैदों को रेस्टहाउस में आरामतलबी बताकर उनके योगदान को सिरे से ख़ारिज कर दिया। द्विराष्ट्रवाद के तहत बँटवारे की माँग हमारे पुरखों की थी, लेकिन देखिए किस कुशलता से हमने नेहरू एंड कम्पनी को बँटवारे का ज़िम्मेदार बता दिया। और तो और इनका इतिहासबोध भी ग़ज़ब का है। कई नई जानकारियाँ भी हासिल हुई, जैसे कि राणाप्रताप के चेतक की माँ गुजराती थी और नानक, कबीर और गोरखनाथ जी में खुलकर शास्त्रार्थ हुआ था। ख़ैर...

हाँ तो बात अजब-ग़ज़ब निर्णयों की थी। इसी क्रम में एक निर्णय योजना आयोग नाम बदलने का भी था। यह निर्णय हमें थोड़ा अधिक तर्कसंगत और कार्य-कारण परंपरा से जुड़ा हुआ लगा। सही बात है जब योजनाएँ ही नहीं बनानी तो योजना आयोग का मतलब भी क्या? जब दूसरे देश के फ़्लाईओवर और पुल की फोटो दिखाकर काम चल जाता है तो भारतीय संसाधनों का क्या दुरुपयोग करना! जब आधे-अधूरे अस्पतालों, यहाँ तक कि बिना बने एम्स तक का लोकार्पण हो जाता है, तो स्टॉफ़ रखकर भारतीय राजस्व पर अतिरिक्त भार डालना कहाँ की बुद्धिमत्ता होगी? अभी-अभी पाठक भाईसाब की पोस्ट से पता चला कि नए सीडीएस जो तीनों सेना प्रमुखों के ऊपर होंगे, ऐसे व्यक्ति को बनाया गया है, जो कभी किसी सेना का प्रमुख नहीं रहा। इसको लेकर लोग-बाग चिंता ज़ाहिर कर रहें हैं और वरिष्ठता को लेकर भी चिंताकुल हैं। समस्या वाजिब है पर हमें इसे सकारात्मक दृष्टि से देखना चाहिए। इसके लिए थोड़ा सा आपको कल्पनाशील होना होगा। जब आप वर्तमान परेशानी की तुलना में और बड़ी परेशानियों की कल्पना करेंगे तो वर्तमान मुश्किलें आसान लगने लगेंगी।

चिंतन-मनन

दौलत की चाह

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे।

उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा-क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा-मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा- हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी। जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे।

स्वास्थ्य

अमेरिका में घर बैठे गर्भपात की दवा मंगाने की राह हुई मुश्किल

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी अदालत ने उन हजारों महिलाओं के रास्ते में अस्थायी बाधा डाल दी है, जो बिना किसी डॉक्टरी सलाह के गर्भपात की गोली, मिफेप्रिस्टोन घर बैठे हासिल कर लेती थी। अदालत के हालिया फैसले के बाद, महिलाएं अपनी मर्ज़ी से अब पर्चे के बिना गर्भपात की यह दवा ऑनलाइन नहीं मंगा सकेंगी। अमेरिका की 26 वर्षीय एक कामकाजी लड़की, ऐसी ही परिस्थितियों से गुज़री थी। पार्टी के बाद अपने एक दोस्त से उसके अनजाने में शारीरिक संबंध बन गए। कुछ हफ़्तों बाद जब उसका प्रेगनेंसी टेस्ट पॉज़िटिव आया, तो उसकी दुनिया हिल गई। उसने सोशल मीडिया पर गर्भपात की गोली खोजी और मिफेप्रिस्टोन के बारे में पढ़ा। बिना किसी डॉक्टर की सलाह के, उसने ऑनलाइन ऑर्डर कर मेल से यह दवा मंगवाई और खा ली। 24 घंटे बाद मिसोप्रोस्टोल भी ली, जिसके बाद कुछ दिनों तक तेज दर्द और ब्लीडिंग हुई, और उसका काम हो गया। रोजी जैसी हज़ारों महिलाएं पिछले कुछ सालों से अमेरिका में गर्भपात का यही तरीका अपना रही थीं। यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फिफ्थ सर्किट ने लुयिसियाना राज्य की याचिका पर यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि अब टेलीहेल्थ या मेल के ज़रिए मिफेप्रिस्टोन नहीं दी जा सकेगी। इसे व्यक्तिगत रूप से (इन-पर्सन) फार्मेसी से प्राप्त करना होगा।

इंदौर फेंसिंग एसोसिएशन द्वारा जिला कैडेट फेंसिंग ट्रायल 2026 का सफल आयोजन

इंदौर।

फेंसिंग एसोसिएशन द्वारा डिस्ट्रिक्ट फेंसिंग कैडेट ट्रायल 2026 का आयोजन दिनांक 7 मई 2026 को मिनी गोल्फ ग्राउंड, चिमन बाग, इंदौर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह ट्रायल आगामी स्टेट फेंसिंग कैडेट ट्रायल 2026 के लिए आयोजित किया गया, जो 9 मई 2026 को भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम में आयोजित होगा। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने खेल कौशल का उत्कृष्ट परिचय दिया। बॉयज सेबर वर्ग में अरहम मंसूरी एवं अयान कुरैशी, बॉयज् फॉइल वर्ग में आहिल अहमद खान एवं अश्विन राठौर, गर्ल्स

फॉइल वर्ग में आश्मी चौहान, सारा फारूकी एवं वैशणवी बोरकर, गर्ल्स एपे वर्ग में तनुश्री हरड़िया एवं आयुषी बोरासी तथा गर्ल्स सेबर वर्ग में तैयबा अली, तहमीना कुरैशी, नूर्वी जोशी एवं हृदिमा जगताप का चयन किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ एवं प्रेरणा प्रदान करने हेतु ओलंपिक संघ के रमेश मेंदोला एवं विधायक गोलू शुक्ला जी का विशेष सहयोग एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। साथ ही पार्षद गजानन गावड़े, पार्षद सुरेश टाकलकर, सुमित तलरेजा, मुकेश जोशी जी, सिंधे जी एवं विपिन गायकवाड़ जी द्वारा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कोच करण साहू, हरिओम परमार एवं अंश पाल द्वारा किया गया। संपूर्ण आयोजन कौशल शिवरे जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

साथ ही सुरेंद्र सिंह सिद्धू जी, महेश अग्रवाल जी, सूरज ठाकुर जी एवं विक्रम अवॉर्डी सिकंदर कुरिल जी का भी विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। आयोजकों ने सभी चयनित खिलाड़ियों को आगामी राज्य स्तरीय ट्रायल हेतु शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बदमाशों ने कारों के कांच फोड़े

इंदौर। बीती रात द्वारकापुरी क्षेत्र में बदमाशों ने जमकर गदर मचाते हुए लगभग आधा दर्जन से अधिक कारों के कांच फोड़ दिए। बताया जाता है कि आरोपी नशे की हालत में थे और कंबल ओढ़कर क्षेत्र में पहुंचे थे। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस फुटेज के आधार पर उनकी तलाश कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार द्वारकापुरी थाना अंतर्गत सूर्य देव नगर सत्यदेव नगर और नाथ मोहल्ला में बदमाशों ने देर रात खड़ी कारों को निशाना बनाया। सीसीटीवी फुटेज में दो युवक दिखाई दिए हैं जो आते ही कारों पर पत्थर फेंकते नजर आ रहे हैं। भागते समय उन्होंने रास्ते में खड़ी अन्य कारों के कांच भी फोड़ दिए। रात्रि 2:20 बजे घटना की सूचना पुलिस को मिली।

»न्यूज ब्रीफ

बुजुर्ग की संदिग्ध मौत

इंदौर। ओमप्रकाश पिता मोतीलाल पटेल 65 साल निवासी बड़वाह को परिजन बेहोश की हालत में बड़े अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होगी। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

युवक को गुप्ती मारी

इंदौर। भागीरथपुरा क्षेत्र में रहने वाले नितिन पिता रघुवीर वर्मा ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले जितेंद्र पिता बसंत यादव ने पुराने विवाद की बात को लेकर गुप्ती मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

दो नाबालिक लापता

इंदौर। खातीवाला टैंक क्षेत्र में रहने वाली किशोरी परिजन को नौकरी पर जाने का बोलकर निकली थी जो लापता हो गई इसी प्रकार कमला नेहरू कॉलोनी में रहने वाला 15 वर्षीय दीपक पिता शंकर लाल वर्मा परिजन को बिना बताए घर से कहीं चला गया। पुलिस ने दोनों मामलों में अपहरण का केस दर्ज किया है।

हंगामा करते 5 धराए

इंदौर। जूनी इंदौर पुलिस ने 20 रोड पर आपस में झगड़ा करते हुए सचिन पिता विष्णु चौहान विशाल पिता जगदीश साहू अशोक पिता सुनील वर्मा और दो अन्य को गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

सास ससुर पर केस दर्ज

इंदौर। गंगा कॉलोनी धार रोड पर रहने वाली माधुरी वर्मा 28 साल ने पुलिस को बताया कि मायके से 3 लाख रुपए लाने के लिए सास संगीता वर्मा ससुर अनिल वर्मा ने प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने केस दर्ज किया है।

चार नशेड़ी बंदी

इंदौर। पुलिस हीरानगर ने बजरंग नगर में गांजा पीते हुए महेश यादव जितेंद्र चौहान अशोक पाल और कमलेश चौधरी को पकड़ा उनके पास से नशे की पुड़िया बरामद की है। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

दुकान में की तोड़फोड़

इंदौर। फरियादी दिलीप पिता प्रहलाद कौशल निवासी नेहरू नगर ने पुलिस को बताया कि उसकी इलेक्ट्रिक दुकान में घुसकर कैलाश मालवीय ने तोड़फोड़ की और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

गुंडो से चाकू मिले

इंदौर। सेंट्रल कोतवाली पुलिस ने कमल जयसवाल और अशोक परमार को पकड़ा। इनके पास से दो चाकू बरामद किए हैं। इसी प्रकार पुलिस चंदननगर ने रफीक पिता मुस्ताक खान और कैलाश यादव को पकड़ा। इनके पास से जप्त किए । सभी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

जेठानी का सिर फोड़ा

इंदौर। सुखलिया क्षेत्र में रहने वाली रागिनी पति मनीष दुबे की शिकायत पर देवरानी रेखा पति विजय दुबे के खिलाफ पुलिस ने मारपीट की धारा में प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी रागिनी ने बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते देवरानी ने उसके सिर पर डंडा मार दिया। जिसमें वह घायल हो गई। पुलिस ने केस दर्ज किया है।

टक्कर से दो घायल

इंदौर। खंडवा रोड पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार अभय पिता रामचंद्र सोनी निवासी नौलखा और जितेंद्र पिता प्रहलाद पवार घायल हो गए पुलिस ने चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

शराब सहित दो बंदी

इंदौर। मल्हारगंज पुलिस ने प्रकाश पिता मुन्नालाल यादव और जितेंद्र पिता हंसराज पवार को पकड़ा इनके पास से दो पेटी शराब जप्त की है। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दरजी किया है।

ब्लेड से किया हमला

इंदौर। मानवता नगर में रहने वाले 16 वर्षीय देवेंद्र पिता सतीश चौधरी ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले धर्मेंद्र सोनकर ने सिगरेट नहीं लाने की बात को लेकर उस पर ब्लेड से हमला किया। और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

हापुस की खुशबू से महका मैंगो जत्रा

इंदौरियों ने जमकर लिया आम का स्वाद

इंदौर।

गर्मी के मौसम में फलों के राजा आम की मिठास से सराबोर मेंगो जत्रा का आगाज शुक्रवार को ग्रामीण हाट बाजार, ढक्कन वाला कुआं, साउथ तुकोगंज में हुआ। मराठी सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय उत्सव 10 मई तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक चलेगा। आयोजन के पहले ही दिन बड़ी संख्या में इंदौरी स्वादप्रेमी पहुंचे और रत्नागिरी व देवगढ़ (कोंकण) के प्रसिद्ध हापुस आम का स्वाद लिया। ग्रुप के सुधीर दांडेकर एवं राजेश शाह ने बताया कि मैंगो जत्रा की शुरुआत भगवान गणेश के पूजन-अर्चन के साथ हुई। इस बार 24 से अधिक आम उत्पादकों ने भाग लिया है। सुबह से ही लोग हापुस आम खरीदने उमड़ पड़े और कई परिवारों ने जमकर खरीदारी की। तृप्ति महाजन ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी नाममात्र शुल्क पर

हापुस आम चखने की व्यवस्था की गई, जिसका लोगों ने खूब आनंद लिया। वहीं सुमेधा बावकर ने बताया कि आयोजन में मराठी व्यंजनों और इंदौरी चाट का विशेष आकर्षण भी रखा गया है। झुणका भाकर-ठेचा, अप्पे, श्रीखंड-पूरी, मेंगो मस्तानी, अनारसे सहित कई पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लोगों को खूब भाया। संस्था द्वारा आगुन्तको के लिए नाम मात्र शुल्क पर हापुस आम चखने की व्यवस्था रखी है इसके अलावा सुपारी चूर्ण, अचार, शर्बत, हर्बल उत्पाद, लकड़ी के खिलौने, किचन वेयर और अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र बने रहे। आयोजन स्थल पर वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग और प्रवेश निशुल्क रखा गया है।

टेंट हाउस जलकर राख

इंदौर। आज सुबह मांगलिया क्षेत्र में स्थित एक टेंट हाउस में भीषण आग लग गई। फायर ब्रिगेड के दमकल कर्मियों ने 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आज में लाखों रुपए का माल जलकर राख हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह 4:55 बजे सूचना मिलती ही फायर ब्रिगेड के दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे तो देखा टेंट हाउस मैं आग लगी है। उप निरीक्षक हुड्डा के नेतृत्व में दमकल कर्मियों ने पानी की बौछारें कर आग बुझाने का प्रयास किया। हुड्डा के मुताबिक आग की लपटे 1 किलोमीटर दूर से ही दिखाई दे रही थी इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि आज कितनी भयावाह है। दमकल कर्मियों ने 15 हजार लीटर पानी का उपयोग कर आग पर काबू पाया।

दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के पदाधिकारियों ने की सामूहिक पूजा

इंदौर।

दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के करीब 40 पदाधिकारी आज प्रात: 7:15 पर सन्मति स्कूल में संचालित हो रहे बाल एवं युवा संस्कार शिक्षण शिविर में पहुंचे और 2100 शिविरार्थियों के साथ बहुत ही भक्ति भाव से सामूहिक पूजा की।

कार्यक्रम स्थल पर विराजित भगवान मुनिसुब्रतनाथ जी के कलश भी देखें। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि ये शिविर यंग जैन स्टडी ग्रुप द्वारा पिछले 11 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है , जिसका मार्गदर्शन माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में रहे सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवा विद्वान पंडित प्रकाश छाबड़ा द्वारा किया जा रहा है। 22 कमरों में स्मार्ट क्लासेस चलती है , जहां शिविरार्थियों को डिजिटल बुक्स को दिखाकर पढ़ाया जा रहा है। देशभर से आए विद्वान शास्त्री व ब्रह्मचारी बहनें इन्हें जैन धर्म की शिक्षा देते हैं। शहर भर की विभिन्न कॉलोनियों से 24 बसो के माध्यम से बच्चे और युवा यहां आ रहे हैं।

इंदौर ट्रैफिक पुलिस का आसमान से पहरा

राजवाड़ा और प्रमुख चौराहों पर ड्रोन से पैनी नजर

इंदौर।

शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए इंदौर पुलिस अब आधुनिक तकनीक का सहारा ले रही है। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में यातायात पुलिस ने ड्रोन सर्विलांस के जरिए शहर के व्यस्ततम इलाकों की निगरानी तेज कर दी है। गुरुवार को पीक आवर्स के दौरान विभिन्न जोनों में ड्रोन उड़ाकर ट्रैफिक मैनेजमेंट किया गया।

ड्रोन सर्विलांस के जरिए शहर के उन हिस्सों पर खास फोकस किया गया जहाँ जाम की स्थिति ज्यादा बनती है।

इसमें राजवाड़ा क्षेत्र, खजूरी बाजार, सराफा, जवाहर मार्ग, संजय सेतु के साथ-साथ पलासिया, घंटाघर, एमजी रोड, इंडस्ट्री हाउस और गिटार तिराहा शामिल रहे। इसके अलावा पूर्वी क्षेत्र के रोबोट चौराहा, एलआईजी, रेडिसन, रसोमा और स्टार चौराहा पर भी ड्रोन से नजर रखी गई। पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि ड्रोन में लगे पीए सिस्टम के जरिए लोगों को नियमों के प्रति जागरूक किया गया। जैसे ही ड्रोन के जरिए कहीं भी यातायात बाधित होता दिखा, तत्काल वायरलेस से कंट्रोल रूम को सूचना दी गई और नजदीकी ट्रैफिक पॉइंट ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ ड्रोन इनपुट के आधार पर मौके पर ही कार्रवाई की गई।

यातायात पुलिस का यह हाईटेक अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गार्डन में बच्ची से हरकत करने वाले आरोपी को 5 साल की कठोर कारावास

इंदौर।

2 साल पहले चंदन नगर थाना अंतर्गत एक गार्डन में खेल रही 7 साल की बालिका के साथ गलत हरकत करने वाले आरोपी को कोर्ट ने दोषी ठहराते हुए 5 साल के कठोर कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। आरोपी का नाम त्रिभुवन उर्फ भानु है। घटना 15 अप्रैल 20 24 की सुबह 11 बजे के लगभग की है। पीड़िता की मां ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह घरेलू काम करती है। घटना के समय उसकी 7 साल की बेटी घर के पीछे स्थित गार्डन में खेल रही थी। काफी देर तक वापस नहीं आने पर मां उसे बुलाने गई तो देखा कि एक व्यक्ति उसकी बेटी के साथ गलत हरकत कर रहा है। महिला के विरोध करने पर आरोपी त्रिभुवन ने कहा कि वह बच्ची के साथ खेल रहा था। इसके बाद महिला ने बेटी को आरोपी से छुड़ाया और उसे वहां से भगा दिया। पीड़िता ने अपनी मां को बताया कि आरोपी ने उसे गोद में उठाकर गलत तरीके से छूना शुरु किया था।

बालिका ने खुद को छुड़ाने की कोशिश भी की लेकिन आरोपी ने उसे कसकर पकड़ लिया। घटना के बाद महिला ने अपने पति को सूचना दी। परिवार ने आरोपी त्रिभुवन को पड़कर थाने ले गए। चंदन नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर चालान कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 5 साल के कठोर कारावास और 5 हजार रुपए के अर्थ दंड की सजा सुनाई।

किसानों के लिए चक्का जाम करने वाले कांग्रेसियों पर केस दर्ज

इंदौर।

किसने की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने गुरुवार को मेडिकैप्स चौराहा राष्ट्रीय राजमार्ग पर चक्का जाम किया था। पुलिस ने इस मामले में झाबुआ विधायक डॉक्टर विक्रांत भूरिया सहित कई कांग्रेस नेताओं के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कांग्रेस ने किसानों की समस्याओं को लेकर गुरुवार सुबह 11 बजे किशनगंज थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर 2 घंटे से अधिक तक चक्का जाम किया था। इस दौरान पुलिस ने मार्ग को डायवर्ट किया था वही कई लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा था। किशनगंज पुलिस ने चक्का जाम कर लोगों को परेशान करने के मामले में झाबुआ विधायक डॉक्टर विक्रांत भूरिया, पूर्व विधायक सतनारायण पटेल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे,महिला प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी, सरपंच विजय बिलोनिया, पार्षद राजू भदोरिया के अलावा कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

सौतेले बाप ने किया दुष्कर्म, पुलिस ने केस दर्ज किया

इंदौर।

तुकोगंज थाना क्षेत्र में रिश्ते शर्मा अनुसार होने की घटना सामने आई है। सौतेले बाप ने बेटी के साथ दुष्कर्म किया और जान से मारने की धमकी दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय महिला की रिपोर्ट पर सौतेले पिता राकेश पिता बद्रीलाल चौहान 50 साल निवासी गोमा की फ़ाइल के खिलाफ पुलिस ने रेप, धमकाने सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 6 में की रात 11 बजे उसके पिता ने शराब पीकर उसे गालियां दी और मारपीट की। पीड़िता के मुताबिक अगले दिन आरोपी राकेश सुबह 6 बजे उसे जबरदस्ती कमरे में ले गया और मारपीट एवं धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने फिर उसके साथ रेप का प्रयास किया तो वह भागकर अपनी बड़ी बहन के घर चली गई और उसे घटना की जानकारी दी। फिर बहन के साथ थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस के मुताबिक घटना के बाद से आरोपी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। इसी प्रकार तेजपुर गड़बड़ी में रहने वाली 21 वर्षीय सीमा बदला हुआ नाम की रिपोर्ट पर पुलिस ने रवि पिता चंद्रकांत चौहान के खिलाफ छेड़छाड़ की धारा में केस दर्ज किया है। सीमा ने पुलिस को बताया है कि आरोपी ने रास्ते में रोककर छेड़छाड़ की विरोध किया तो मारपीट कर धमकी देकर भाग गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

देपालपुर थाना अंतर्गत ग्राम बनेड़िया में रहने वाली महिला की शिकायत पर चाचा ससुर भगवती पिता ओम नारायण कलोता के खिलाफ छेड़छाड़ की धारा में पुलिस ने केस दर्ज किया है। महिला ने पुलिस को बताया है कि उसे घर में अकेला देखकर आरोपी चाचा ससुर ने छेड़छाड़ की थी।

प्लाट की रजिस्ट्री करने को कहा तो किया हमला

इंदौर। सांवेर थाना क्षेत्र में आरोपी ने युवक पर हमला किया और धमकी देकर भाग गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना जैतपुर चौराहा धर्मपुरी की है। फरियादी राजेश पिता देवीसिंह निवासी नेहरू नगर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने वर्ष 2019 में राजेंद्र नटेरिया धाकड़ से एक प्लाट खरीदा था जिसकी संपूर्ण राशि उसे दे दी। मगर राजेंद्र ने प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं की। जो उसे रजिस्ट्री का किया तो वह टालता रहा। फरियादी राजेश ने गुरुवार सुबह 11:5 बजे राजेंद्र से कहा कि प्लांट की रजिस्ट्री नहीं कर रहा है तो मुझे मेरे पूरे पैसे दे दे यहां बात सुनकर वह क्रोधित हो गया और उसने उस पर हमला कर दिया।

नीलगाय से टकराई इंदौर-भोपाल एक्सप्रेस असर से शिप्रा समेत कई ट्रेनें हुईं लेट

इंदौर।

इंदौर-देवास रेलखंड पर गुरुवार रात नीलगाय से टकराने की घटना के बाद रेल यातायात प्रभावित हो गया। रेलवे सूत्रों के अनुसार ट्रेन संख्या 19303 इंदौर-भोपाल एक्सप्रेस ब्लॉक होम सिग्नल के पास किलोमीटर 54/30 पर नीलगाय से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि इंजन के पाइप में खराबी आ गई और ट्रेन को बीच रास्ते रोकना पड़ा। घटना के चलते रेलखंड पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हो गई। इसका असर शिप्रा एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों पर भी पड़ा, जो करीब एक से डेढ़ घंटे तक देरी से चलीं। कई यात्रियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रेलवे से शिकायत करते हुए पूछा कि ट्रेनें आखिर कब रवाना होंगी। यात्रियों की शिकायत पर भोपाल डीआरएम ने मामले को रतलाम मंडल को टैग करते हुए देखने को कहा। इसके बाद रतलाम डीआरएम की ओर से जवाब दिया गया कि ट्रेन सीआरओ यानी कैटल रन ओवर का शिकार हुई थी। रेलवे की तकनीकी भाषा में इसका अर्थ ट्रेन का किसी जानवर से टकराना होता है। इस मामले में ट्रेन नीलगाय से टकराई थी, जिसके कारण इंजन में तकनीकी खराबी आ गई। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक बाद में दूसरा लोको इंजन जोड़कर ट्रेन को रवाना किया गया।

शिल्प बाजार में लगी भीड़, बधाई, कर्मा, सिद्धि धमाल

झाल मुरी बना एक फेमस ब्रांड लोगों ने लिए चटकारे

तलवार रास, हुडारास, जम्मू कश्मीर के नृत्य हुए

इंदौर।

मध्य प्रदेश की पहचान बन चुका मालवा उत्सव लोक संस्कृति मंच नगर पालिका निगम एवं संस्कृति संचनालय मध्यप्रदेश सहयोग से मनाए जा रहे इस उत्सव में आज कला प्रेमियों की भारी उपस्थिति दशहरा मैदान परिसर पर देखी गई।

लोक संस्कृति मंच के संयोजक शंकर लालवानी उसने बताया कि मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड अंचल का बधाई नृत्य जोकि पुत्र जन्म विवाह आदि मांगलिक अवसरों पर शीतला माता की आराधना में किया जाता है प्रस्तुत किया गया रंग-बिरंगे सुंदर परिधानों में नृत्य करते पिरामिड बनाते लोक कलाकारों के प्रदर्शन से तालिया की गड़गड़ाहट गूंज उठी। गुजरात से आई टीम ने सफेद धोती नीला जैकेट सर पर पगड़ी कमर में दुपट्टा बांधकर हाथ में रुमाल के साथ घूम-घूम कर हुडारास नृत्य की बानगी प्रस्तुत की । वही मध्य प्रदेश

के डिंडोरी से आए 16 कलाकारों ने गोंड जनजाति का करमा नृत्य प्रस्तुत मांदल की थाप, टीमकी, गुदुम, शहनाई का उपयोग कर के सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया। किया वहीं स्थानीय कलाकारों ने नटराज स्तुति प्रस्तुत करके सबका मनमोहा वही अर्चना बनर्जी के समूह ने समुद्र मंथन की कथा को मंच पर दर्शाया कविता तिवारी समूह द्वारा कत्थक से दुर्गा के नौ स्वरूपों को दुर्गा चरितम द्वारा दिखाया गया ।नाथ ब्रह्म गणेश वंदना एवं तराना कत्थक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया वहीं प्रिया गोखले समूह ने शिव आख्यान प्रस्तुत किया। इसके अलावा धनगर गाजा तलवार रास ,गेड़ी ,सिद्धि धमाल, गुस्सादी नृत्य भी हुए लोक संस्कृति मंच के दीपक लवंगडे ,संकल्प वर्मा एवं विशाल गिद्वानी ने बताया कि आज दशहरा मैदान परिसर में शिल्पकारों के शिल्प को देखने खरीदने के लिए भारी भीड़ उमड पड़ी जहां जयपुर के फर्नीचर जिस पर बहुत सुंदर मेटल वर्क किया गया काफी पसंद किया जा रहा है वही एंटीक फ्लावर पाट के साथ खूबसूरत फूल एवं विभिन्न प्रकार की सजावटी सामग्री के स्टॉल पर भी भारी भीड़ देखी गई ।वहीं विभिन्न प्रकार के हस्त निर्मित वस्त्र, चादरों, कालीन चीनी के आइटम पर लोग खरीदारी करते देखे गए। मालवा उत्सव में इस वर्ष कई नए उत्पाद शिल्पकार दूर प्रदेशों से लेकर आए हैं जिन्हें आसानी से यहां पर देखा एवं खरीदा जा सकता है। मंच के सतीश शर्मा व बंटी गोयल ने बताया कि शिल्प मेला सायंकाल 4 बजे से लालबाग पर प्रारंभ हुआ जिसमें कला प्रेमियों की उपस्थिति दर्ज की गई।

पटाखा व्यापारी से लाखों की धोखाधड़ी

इंदौर। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में एक पटाखा व्यापारी के साथ लाखों रुपए की धोखाधड़ी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी सुरेश फरवानी निवासी रीजनल पार्क में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह रवि फायरवर्क्स के नाम से पटाखों का थोक व्यापार करते हैं। फरियादी सुरेश ने बताया कि सितंबर अक्टूबर 20 25 के दौरान अविनाश जैन ने अहिल्या मार्केट में दुकान लगाई थी। इसी दौरान 24 सितंबर से 24 अक्टूबर के बीच दोनों के बीच लगभग 31 लाख 58 हजार रुपए का पटाखा व्यवसाय हुआ।

फटाफट खबरें

बाल अधिकारों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ. शर्मा

भोपाल। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने आयोग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर बाल अधिकारों के संरक्षण और बच्चों से जुड़े मामलों के त्वरित निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। डॉ. निवेदिता शर्मा ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा, सुरक्षा एवं उनके समग्र विकास के लिए आयोग संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। उन्होंने बाल संरक्षण से संबंधित शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किए जाने तथा बच्चों के हितों से जुड़े मामलों में समन्वय और सक्रियता के साथ कार्य किए जाने पर जोर दिया। बैठक में आयोग की कार्यप्रणाली, बाल संरक्षण से संबंधित योजनाओं एवं विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा भी की गई। अधिकारियों ने आयोग की गतिविधियों और कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की।

सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडर होंगे सम्मानित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किया जा रहा है। सरकार 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली' योजना अंतर्गत घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का कार्य प्रतिबद्धतापूर्वक कर रही है। प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम श्री अमनबीर सिंह बैंस ने बताया है कि निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडरों को सम्मानित किया जाएगा। एमडी श्री बैंस ने कहा कि जो वेंडर अपना कार्य ठीक प्रकार से नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। एमडी श्री बैंस ने विगत दिनों भोपाल मुख्यालय में प्रगति की समीक्षा कर सभी वेंडर्स कार्य में आने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि कार्य क्षेत्र में आने वाली सभी समस्याओं का समय रहते समाधान किया जाएगा जिससे कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में हासिल किया जा सके।

देवास के चिड़ावत गांव की स्थिति ने उजागर की 'हर घर नल से जल' योजना की सच्चाई: पटवारी

पलाइन, बंद पड़ी टंकियां और भ्रष्टाचार के मामलों ने पूरी योजना की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाया

भोपाल, ईएमएस।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने देवास जिले के चिड़ावत गांव की बदहाल स्थिति को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिस गांव को कागजों में 'आदर्श ग्राम' बताया जा रहा है, वहां आज भी ग्रामीणों को खेतों और दूरस्थ स्थानों से डिब्बों में पानी भरकर लाना पड़ रहा है। यह स्थिति केवल एक गांव की नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश और देश में चल रहे जल जीवन मिशन एवं 'हर घर नल से जल' योजना के भ्रष्टाचार की सच्चाई को उजागर करती है।

पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2019 में 'हर घर नल से जल' का वादा किया था, जिसके अंतर्गत वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था। केंद्र सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के लिए लाखों करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अनेक गांवों में नल तो लगाए गए, पर पानी नहीं पहुंचा। कई स्थानों पर अधूरी पाइपलाइन, बंद पड़ी टंकियां और भ्रष्टाचार के मामलों ने पूरी योजना की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। उन्होंने कहा कि देवास के चिड़ावत गांव का वीडियो अत्यंत पीड़ादायक है। महिलाएं और बच्चे पानी के लिए भटक रहे हैं, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में योजनाएं पूर्ण दर्शाई जा चुकी हैं। इससे स्पष्ट है कि सरकार की प्राथमिकता जनता को सुविधा देना नहीं, बल्कि कागजों पर विकास दिखाकर भ्रष्टाचार को संरक्षण देना है। पटवारी ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कई जिलों से लगातार शिकायतें सामने आई हैं। कहीं पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कें खराब छोड़ दी गईं, कहीं जल टंकियां निर्माण के कुछ समय बाद ही क्षतिग्रस्त हो गईं और कई गांवों में करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद लोगों को पानी नसीब नहीं हो रहा। यह जनता के टैक्स के पैसे की खुली लूट है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास के बड़े-बड़े विज्ञापन देती है, लेकिन गांवों की वास्तविकता उन दावों की पोल खोल रही है। यदि सरकार वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ होती, तो जल जीवन मिशन में हुए कार्यों का सामाजिक ऑडिट करवाती और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करती। लेकिन आज स्थिति यह है कि भ्रष्टाचार करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। पटवारी ने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में जल जीवन मिशन के लिए ?70,163 करोड़ का प्रावधान किया। मध्यप्रदेश सरकार ने भी इस योजना के लिए हजारों करोड़ रुपये आवंटित किए। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब बजट में इतनी बड़ी राशि खर्च दिखाई जा रही है, तब देवास के चिड़ावत जैसे गांवों की माताएं और बहनें बूंद-बूंद पानी के लिए क्यों भटक रही हैं? उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में योजना ईमानदारी से लागू हुई होती, तो ग्रामीणों को खेतों से डिब्बों में पानी भरकर नहीं लाना पड़ता। सरकार बताये कि हजारों करोड़ रुपये आखिर किसके हित में खर्च हुए?

मप्र कांग्रेस की मांग

- देवास जिले के चिड़ावत गांव सहित जल संकट वाले सभी गांवों का तत्काल सर्वे कराया जाए।
- जल जीवन मिशन के अंतर्गत हुए कार्यों की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए।
- जिन अधिकारियों, ठेकेदारों और एजेंसियों ने कागजों में काम दिखाकर भुगतान लिया है, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो।
- ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति तत्काल सुनिश्चित की जाए।
- 'आदर्श ग्राम' घोषित गांवों की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जाए।
- पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी और गांव-गांव जाकर भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार एवं झूठे विकास मॉडल की सच्चाई जनता के सामने लाएगी।

अलविदा 'अश्विन भैया'

राजेश निगम

इंदौर। मालवा की राजनीति के एक मजबूत स्तंभ और इंदौर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-3 से पूर्व विधायक अश्विन जोशी अब हमारे बीच नहीं रहे। पिछले कुछ दिनों से वे अस्वस्थ थे और शहर के एक निजी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ और उन्होंने अंतिम सांस ली।

अमेरिका से बेटे के आने पर होगा अंतिम संस्कार

पारिवारिक सूत्रों और उनके भाई संजय जोशी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार=

अश्विन जोशी का पार्थिव देह फिलहाल अस्पताल में ही रखा गया है।

उनके पुत्र वर्तमान में अमेरिका में हैं। उनके इंदौर लौटने के बाद ही अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

अंतिम यात्रा और अंतिम संस्कार के समय की आधिकारिक घोषणा परिवार द्वारा जल्द ही साझा की जाएगी।

एक जुझारू नेता: अश्विन जोशी का राजनीतिक सफर

अश्विन जोशी की पहचान एक ऐसे नेता की रही है जो हमेशा अपने क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ताओं के लिए सुलभ रहे। उनके व्यक्तित्व के कुछ प्रमुख पहलू=

1. क्षेत्र क्रमांक-3 के विकास पुरुष= जोशी ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-3 का प्रतिनिधित्व करते हुए क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संकरी गलियों वाले इस क्षेत्र की समस्याओं को उन्होंने विधानसभा में प्रमुखता से उठाया।

2. संसदीय ज्ञान के धनी= वे उन चुनिंदा विधायकों में गिने जाते थे जिन्हें संसदीय कार्यप्रणाली और नियमों का गहरा ज्ञान था। सदन में उनके तर्क और जनहित के मुद्दों पर उनकी पकड़ की प्रशंसा विपक्षी दल भी करते थे।

3. मजबूत सांगठनिक पकड़= कांग्रेस पार्टी के भीतर अश्विन जोशी का एक अलग ही कद था। वे कार्यकर्ताओं के बीच %अश्विन भैया% के नाम से लोकप्रिय थे और संकट के समय हमेशा अपनी टीम के साथ खड़े नजर आते थे।

इंदौर में शोक की लहर

जैसे ही उनके निधन की खबर फैली, इंदौर के राजनीतिक गलियारों में सन्नाटा पसर गया। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों के वरिष्ठ नेताओं ने उनके निधन को इंदौर के लिए एक बड़ी क्षति बताया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने अपना एक अभिभावक खो दिया है। अश्विन जोशी जी का जाना इंदौर की सक्रिय राजनीति के एक अध्याय का अंत है। वे सिद्धांतों की राजनीति करने वाले नेता थे।

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार को यह दुख सहने की शक्ति दे।

आजादी के जश्न के नायक थे अश्विन जोशी

इंदौर/ नगर प्रतिनिधि तीन नंबर के पूर्व विधायक अश्विन जोशी का राजनीतिक कॅरियर आजादी के जश्न के साथ शुरू हुआ था। जब वो शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री थे, तब उन्होंने राजवाड़े पर एक वो कार्यक्रम शुरू किया था, जो शहर की मिसाल बन गया।

काका महेश जोशी की उंगली पकड़कर सियासत करने वाले अश्विन जोशी ने तीन नंबर में शुरू से ही पकड़ बना ली थी। विधायक गोपी नेमा ने जब महेश जोशी को चुनाव हराया था, उसके बाद भतीजे को काका ने आगे कर दिया था। जोशी का पहला चुनाव 1998 में था। सामने गोपी नेमा मैदान में थे। पूरी कमान महेश जोशी ने संभाल रखी थी। आखिरकार विधानसभा की दहलीज पर जोशी को पहुंचने का मौका मिल गया और दिग्विजयसिंह की सरकार में फिर वापसी हो गई थी।

काका का सरकार में जलवा था और भतीजे के काम करने की शैली ने विधानसभा में पैठ जमा दी। जोशी ने ऐसा जलवा दिखाया कि कार्यकर्ताओं में उनकी पकड़ हो गई। दूसरी बार उनका 2003 में सामना विष्णु प्रसाद शुक्ला के लड़के राजेंद्र शुक्ला से हुआ। अंततः बाबा ने फिर जीत हासिल कर ली। तीसरी बार गोपी नेमा फिर सामने आ गए और अश्विन जोशी की हैट्रिक हो गई।

कम वोटों से जीत थी, लेकिन उनकी वापसी होने के बाद ये साबित हो गया था कि भाजपा की सत्ता होने के बावजूद जोशी की पैठ बनी हुई है। उषा ठाकुर से जब 2013 में सामना हुआ, तो चुनाव हार गए। 2018 के चुनाव में आकाश विजयवर्गीय को उन्हें चकरघन्नी कर दिया था। पचास हजार वोटों से जीत का दावा किया जा रहा था, मात्र पांच हजार वोटों से आकाश जीते।

जोशी ने तीन नंबर में हर शख्स को नाम से अपना बना लिया था। वो ऐसे नेता थे, जो कार से कम और स्कूटर पर ज्यादा घूमते थे। काका की सियासत उनके दिलो-दिमाग में उतरी हुई थी। अफसरों से जनता के लिए खूब लड़े। बेईमानी का भी कभी आरोप नहीं लग पाया। काजल की काली कोठरी में होने के बावजूद वो बेदाग नेता के रूप में जाने जाते थे।

जब प्रेस से मिलिये कार्यक्रम में गोपी नेमा से उनका सामना हुआ, तो बेबाक् होकर ये बोले थे कि मेरी सियासत में एक रुपये का भी आरोप हो, तो सिद्ध कर दें। इस चुनौती के आगे सब खामोश थे। अश्विन जोशी पढ़े-लिखे होने के साथ चौराहों पर समय ज्यादा बिताते थे। उनके ठिये मशहूर थे। राजवाड़े पर देर रात तक बैठना। नंदलालपुरा सब्जी मंडी में आकर व्यापारियों के साथ बतियाना और कभी चम्पा बाग, तो कभी मोती तबेला में रूबरू होना उनकी जिंदगी का हिस्सा था।

आजादी का जश्न जो आज शहर में छाया हुआ है, उसकी शुरुआत जोशी ने ही की थी। जब आजादी के पचास साल हुए थे, उसी रात से राजवाड़ा पर जश्न शुरू हुआ और निरंतर जारी रहा। अफसरों से लडने और काम कराने के तरीके ऐसे थे कि वो जब बोलते थे, तो लोग देखते रह जाते थे। थाने का काम हो या नगर निगम का, उनकी जुबां हमेशा तेज-तर्रार रहती थी। आखिरी चुनाव ताकतवर लोगों के बीच लड़ा, लेकिन वो कमजोर नहीं दिखे। उस समय हार का अफसोस इसलिये था कि कमलनाथ की सरकार आ गई थी और मंत्री बनने का जो सपना था, वो पूरा नहीं हो पाया। तीन नंबर विधानसभा में अश्विन जोशी को पानी वाले बाबा के रूप में भी जाना जाता था। गरमी के दिनों में उन्होंने पानी के टैंकर चलाकर पहचान बनाई थी। इतना ही नहीं उनकी बताई राह नगर निगम ने भी पकड़ ली है। गणेश विसर्जन की परंपरा उन्होंने ही शुरू की थी, जो अब नगर निगम के हवाले है। इंदौर की सियासत का एक ऐसा नेता चला गया है, जिसकी कमी बरसों खलेगी। बाबा हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी कार्यशैली हमेशा जिंदा रहेगी।

ठुकरा दिया अध्यक्ष पद

अश्विन जोशी के कार्यकर्ताओं की ये खासियत रही कि वो आखिरी समय तक साथ में रहे। कुछ कार्यकर्ताओं ने जरूर पाला बदला, लेकिन बाबा ने सभी का साथ दिया। अपने लोगों के लिए लडने में माहिर थे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष का फैसला होना था। किसी ने बाबा का नाम भी आगे बढ़ा दिया, लेकिन उन्होंने ये कहकर हाथ जोड़ लिए थे कि अब शरीर साथ नहीं देता है, क्योंकि पिछले दो बरस से उनकी सेहत ठीक नहीं थी।

गुणवत्ता के साथ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं

नवीन लाइन बिछाने के कार्य का किया निरीक्षण

भोपाल, ईएमएस।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शुक्रवार को उप नगर ग्वालियर बिरला नगर पुल से चंदन पुरा तक जनकल्याण समिति के सहयोग से सुपर सकर मशीन द्वारा चल रहे सीवर सफाई अभियान का निरीक्षण करते हुए सफाई कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश से पहले इस काम को हर हाल में पूर्ण करना है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां नवीन सीवर लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है वहां गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री तोमर के निरीक्षण के दौरान जिला प्रशासन,नगर निगम प्रशासन, विद्युत वितरण कंपनी सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं पार्षद गण उपस्थित रहे। मंत्री तोमर ने कहा कि आज ग्वालियर की स्वच्छता को नई ऊर्जा प्रदान करते हुए सीवर समस्या के समाधान के लिए 'सुपर सकर' मशीन द्वारा सफाई का महाअभियान चलाया जा रहा है। इस आधुनिक तकनीक के माध्यम से सफाई व्यवस्था और अधिक तेज, प्रभावी व सुदृढ़ बनेगी।

मंत्री तोमर ने 15 ग्वालियर विधानसभा में आ रहे बदलाव का जिक्र करते हुए कहा, आज स्वास्थ्य, सड़क, खेलकूद, शिक्षा हर क्षेत्र में बदलाव हो रहा है।यही बदलाव है। जो हमने और आपने साथ मिलकर किया है। मंत्री तोमर ने कहा कि हमने बदलाव लाने की ठान ली है और जल्दी ही ग्वालियर स्वच्छता के मामले में नंबर एक पर होगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि स्वच्छता, सुविधा और बेहतर जीवन स्तर बनाना हमारा संकल्प है।

कार्यों के पूर्ण होने से जिले के विकास की बढ़ेगी रफ्तार: शुक्ल

जर्जर शासकीय विद्यालयों को चिन्हित कर कराएं मरम्मत

भोपाल, ईएमएस।

उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माणाधीन विकास कार्यों में तेजी लाकर उन्हें समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना अत्यंत आवश्यक है।

विकास कार्यों के पूर्ण होने से शहडोल जिले के विकास को नई गति मिलेगी। उक्त निर्देश उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री शुक्ल ने सर्किट हाउस बाणसागर में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में विभागीय अधिकारियों को दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने शहडोल- उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल निर्माण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहडोल-उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल, भन्नी सिंचाई परियोजना जैसे अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कलेक्टर समय-सीमा की बैठक में अनिवार्य रूप से करें एवं जल्द से जल्द पूर्ण कर आमजन को उन सुविधाओं का लाभ दिलाए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर कार्य करने की अत्यंत आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज एवं शहडोल जिले में निर्माणाधीन हेल्थ सेंटरो को यथाशीघ्र पूर्ण कर जनप्रतिनिधियों द्वारा शुभारंभ कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए की शहडोल जिले में संचालित शासकीय विद्यालय जो जर्जर हैं उन्हें सूचीबद्ध कर उनका मरम्मत कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने जिले में बनाए जा रहे सांदीपनि विद्यालय के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर जल्द से जल्द से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जनहित को दृष्टिगत रखते हुए जनपद पंचायत कार्यालय ब्यौहारी के सामने संचालित शराब की दुकान हटाने के निर्देश कलेक्टर को दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बैठक में मेडिकल कॉलेज में रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया, भू अर्जन कार्य में प्रगति, टेटका -शहडोल मार्ग की प्रगति, जयसिंहनगर बाईपास, ब्यौहारी -सपटा मार्ग, जल जीवन मिशन के कार्य, प्रगतिरत कटनी से सिंगरौली डबल रेलवे लाइन के कार्य सहित अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा विकास कार्यों के लिये अपने अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए। बैठक में सांसद संसदीय क्षेत्र सीधी डॉ.राजेश मिश्रा, विधायक जयसिंह मरावी, शरद कोल, मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ.केदार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति सहित अन्य जन प्रतिनिधि, अधिकारी एवं जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी एवं हीटवेव को देखते हुए भोपाल मंडल का जागरूकता अभियान

भोपाल सहित प्रमुख स्टेशनों पर वितरित किए ओआरएस

भोपाल, ईएमएस।

पश्चिम मध्य रेल भोपाल मंडल द्वारा रेलकर्मियों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं जागरूकता के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत मंडल के विभिन्न स्थानों पर कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सहायता एवं परामर्श प्रदान किए जा रहे हैं। भोपाल मंडल चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा गार्ड एवं ड्रायवर लॉबी सहित भोपाल, बीना, इटारसी, गुना, शाजापुर एवं हरदा सेक्शन के विभिन्न रेल स्टेशनों, कार्यालयों तथा रेलवे ट्रैक प कार्यरत कर्मचारियों को ओ.आर.एस के पैकेट वितरित किए जा रहे हैं। सा

ही कर्मचारियों को गर्मी एवं लू से बचाव के उपायों की जानकारी देकर जागरूक भी किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त आवधिक चिकित्सा परीक्षण हेतु रेल चिकित्सालय में आने वाले रनिंग स्टाफ को भी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिए जा रहे हैं।

शाजापुर जिला विकास सलाहकार समिति एवं निर्माण कार्यों की बैठक संपन्न

सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराएं : कुशवाह

भोपाल, ईएमएस।

शाजापुर जिले के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री एवं शाजापुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायनसिंह कुशवाह ने कहा कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किये जायें। उन्होंने यह निर्देश कलेक्ट्रेट सभाकक्ष शाजापुर में जिला विकास सलाहकार समिति एवं निर्माण कार्यों की बैठक में दिये। मंत्री श्री कुशवाह ने विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों, अपूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों की बिंदुवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, म.प्र. सड़क विकास निगम, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, जल संसाधन संभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी- जल जीवन मिशन, नगरीय प्रशासन विभाग, म.प्र. प.क्षे.विवि कंलि. विभाग, सेतु उप संभाग लोक निर्माण, लोक निर्माण विभाग भवन विकास निगम एवं मध्यप्रदेश भवन विकास निगम सहित स्वास्थ्य विभाग, मेडिकल कॉलेज, शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा, जनजातीय कार्य विभाग एवं जिला पंचायत के कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ समय पर पूर्ण करें, ताकि आमजन को इनका समय पर लाभ मिल सके। बैठक में प्रभारी मंत्री श्री कुशवाह ने जिले की चिल्लर नदी में मिलने वाले नालों के पानी को पृथक प्रबंध कर नदी की सफाई एवं सौंदर्यीकरण करवाकर नौका पर्यटन विकसित करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि सभी नगरीय निकायों के छोटे-बड़े नालों की वर्षा पूर्व साफ-सफाई कराने, जीर्ण-शीर्ण नालों की मरम्मत करायें। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदी-नालों, कुएं बावड़ी, टंकियों की साफ-सफाई, तालाब निर्माण आदि कार्य कराने के निर्देश भी दिये।

गेहूँ उपार्जन की भी समीक्षा

प्रभारी मंत्री कुशवाह ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले के विभिन्न केन्द्रों में किये जा रहे गेहूं उपार्जन कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने उपार्जन कार्य पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न कराने एवं उपार्जन केन्द्रों पर किसानों को सभी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इसके लिए पर्याप्त व्यवस्था रखने तथा उपार्जित फसल का किसानों को समय पर भुगतान कराने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारी को दिये। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया, शाजापुर विधायक अरूण भीमावद, जिला विकास समिति के सदस्यों ने भी निर्माण कार्यों, सुझावों आदि से संबंधित अपने-अपने प्रस्ताव दिये। बैठक में पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत, जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

पेयजल की निर्वाध आपूर्ति के निर्देश

प्रभारी मंत्री कुशवाह ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिये कि जिले में कहीं भी पेयजल संकट की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत नल जल योजना के प्रगतिरत कार्यों को समय पर पूर्ण कर हस्तांतरित भी कराएं। इस दौरान उन्होंने विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री से जिले में ट्रांसफार्मर की स्थिति एवं किसानों की मांग अनुसार समय पर ट्रांसफॉर्मर लगाने तथा निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये।

सजेगा सेठों के सेठ सॉवलिया सेठ का दरबार

देवास

धार्मिक नगरी देवास में श्रद्धा और भक्ति का विशेष आयोजन होने जा रहा है। सॉवलिया सेठ धार्मिक सेवा समिति इटावा देवास द्वारा 10 मई, रविवार को इटावा स्थित सॉवलिया सेठ मंदिर में भव्य एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन मंदिर स्थापना के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रखा गया है। मंदिर के मुख्य पुजारी महेंद्र नाथ योगी, मंदिर अध्यक्ष लखन डांगी एवं पंडित राकेश द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत भगवान सॉवलिया सेठ का आकर्षक एवं भव्य श्रृंगार किया जाएगा। इसके पश्चात महाआरती का आयोजन होगा तथा शाम 5 बजे से श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारा प्रारंभ किया जाएगा।

तेजाजी महाराज की प्रतिमा की होगी स्थापना

देवास। भौरासा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले नागराज फाटा स्थित नागराज मंदिर में 10 मई से 14 मई 2026 तक भक्ति और श्रद्धा का भव्य संगम देखने को मिलेगा। पुजारी राधेश्याम गुरुजी ने बताया कि इन पांच दिवस धार्मिक आयोजन होगे। इस दौरान यज्ञ-हवन और अंतिम दिन पूर्णाहुति के साथ भंडारे का आयोजन होगा। मुख्य रूप से तेजाजी महाराज की प्रतिमा की स्थापना रहेगी, जिसे लेकर क्षेत्र में विशेष उत्साह बना हुआ है। अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से सहभागिता की अपील की है,ताकि यह धार्मिक आयोजन आस्था का एक यादगार उत्सव बन सके।

भक्ति और उल्लास के साथ सम्पन्न हुई सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा

श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह बना श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र

बिंजाना में निकली भव्य शोभायात्रा

देवास

नगर के बिंजाना में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा सप्ताह का शुक्रवार को भक्तिमय वातावरण में भव्य पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। कथा के अंतिम दिवस श्रद्धा, उत्साह और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई तथा भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मणी के दिव्य विवाह उत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कथा आयोजन अटल अखाड़ा उज्जैन के पीठाधिपति महंत श्री सेवानंद गिरी जी महाराज के सान्निध्य एवं महंत अमरगिरी नागा बाबा के आशीर्वाद में सम्पन्न हुआ। कथा का वाचन कथावाचिका साध्वी हरिप्रिया नंदगिरी द्वारा किया गया। उन्होंने सात दिनों तक श्रीमद् भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन कर श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और संस्कारों का संदेश दिया। श्रीजी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सेवा समिति अध्यक्ष दिव्या परमार ने बताया कि पूर्णाहुति अवसर पर ग्राम बिंजाना की गलियां भक्तिमय नारों और भजनों से गुंजायमान हो उठीं। शोभायात्रा में सजे-धजे रथों पर भगवान श्रीकृष्ण एवं रुक्मणी की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया तथा भक्ति गीतों पर महिलाएं एवं युवा झूमते नजर आए। आयोजन के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण हेतु पहुंचे। कथा का सीधा प्रसारण यूट्यूब पर भी किया गया, जिससे दूरस्थ श्रद्धालुओं ने भी धर्मलाभ प्राप्त किया। आयोजनकर्ता दिलीप अग्रवाल ने सभी श्रद्धालुओं एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में संस्कार, एकता और आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्राम बिंजाना के समस्त ग्रामवासियों सहित एवं अनेक धर्मप्रेमियों का विशेष सहयोग रहा। आयोजन के समापन पर महाप्रसादी का वितरण भी किया गया। उक्त जानकारी समिति सचिव घनश्याम मोदी ने दी।

न्यूज ब्रीफ

घरेलु विवाद का डायल-112 ने कराया समझौता

देवास। शहर के बस स्टैंड पर शुक्रवार तड़के उस समय हंगामा हो गया, जब ससुराल पक्ष के लोग एक नवविवाहिता को अपने साथ ले जाने लगे। महिला के विरोध करने और चिल्लाने पर वहां भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर डायल 112 मौके पर पहुंची और महिला को थाने ले गई। प्रत्यक्षदर्शियों, जिनमें नंदकिशोर जाट, सुनील सोलंकी, राहुल परमार और शेखर शामिल हैं, ने बताया कि महिला देर रात से बस स्टैंड पर अकेली बैठी थी। शुक्रवार सुबह करीब 4:30 बजे उसके ससुराल पक्ष के लोग वहां पहुंचे और उसे अपने साथ ले जाने का प्रयास करने लगे। इस दौरान महिला ने जोर-जोर से चिल्लाना और रोना शुरू कर दिया, जिससे आसपास के लोग एकत्रित हो गए।

निगम ने निकाली स्वच्छता संदेश वाहन रैली

देवास। स्वच्छता सर्वेक्षण के अन्तर्गत शहर में स्वच्छता के प्रति जागरूक करने तथा कचरा संग्रहण वाहनों मे गीला एवं सुखा कचरा अलग अलग डस्टबीनों में डालना तथा अपने घरों के आसपास, मोहल्ले एवं खुले प्लाटों पर कचरा ना डालना एवं स्वच्छता बनाए रखने हेतु संदेश के रूप में 7 मई गुरूवार को नगर निगम द्वारा स्वच्छता वाहन रैली निगम परिसर से निकाली गई। 60 से अधिक वाहनों की इस रैली को निगम स्वास्थ्य समिती अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिंह बैस के द्वारा स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर महेश सोनी, उपयंत्री जितेन्द्र सिसोदिया, व निगम स्वच्छता की टीम के साथ हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। स्वच्छता संदेश रैली शहर के प्रमुख मार्गो से निकाली गई। इस अवसर पर बैस ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत निगम द्वारा की जा रही तैयारियों हेतु शहर के सभी वार्ड क्षेत्रों में नाला, नालियों की सफाई के साथ रोड डिवाईडर, सार्वजनिक शौचालय, मुत्रालयों की भी सफाई की जाकर प्रमुख स्थानों पर रखे डस्टबीनों को खाली कराया जा रहा है।

होमगार्ड जवानों का विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित

रतलाम। राज्य आपदा मोचन बल भोपाल एवं संभागीय मुख्यालय उज्जैन से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में आगामी मानसून सत्र को दृष्टिगत रखते हुए जिला स्तर पर जामड तालाब में विशेष प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ किया गया। प्रशिक्षण के दौरान होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ जवानों को तैराकी प्रारंभ करने से पूर्व आवश्यक एक्सरसाइज कराई गई। इसके पश्चात प्लाटून कमांडर ज्योति बघेल द्वारा एसडीईआरएफ जवानों के साथ स्विमिंग अभ्यास एवं बोट हैंडलिंग का सघन प्रशिक्षण दिया गया।

बस स्टैंड से उज्जैन तिराहे तक बुलडोजर चला

निगम-ट्रैफिक पुलिस का अतिक्रमण पर एक्शन

देवास

शहर में गुरुवार को नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। बस स्टैंड के सामने से मंडी धर्मशाला होते हुए उज्जैन तिराहा तक सडक़ के दोनों ओर फैले अवैध कब्जों पर निगम का बुलडोजर चला। यह कार्रवाई करीब तीन घंटे तक चली, जिससे सडक़ घेरकर बैठे दुकानदारों, गैराज संचालकों और ठेला लगाने वालों में हडक़ंप मच गया। टीम ने सडक़ तक बढ़ाई गई दुकानों को हटाया और अस्थाई कब्जों को तोड़ा। जेसीबी की सहायता से कई टीनशेड भी ध्वस्त कर दिए गए। कई लोगों ने दुकानों के सामने स्थायी रूप से कब्जा कर रखा था, जबकि सडक़ पर ही दोपहिया वाहनों की मरम्मत का काम चल रहा था। टीम ने ऐसे सभी अतिक्रमण हटाते हुए बड़ी मात्रा में सामान जब्त किया। कार्रवाई के दौरान कुछ व्यापारियों ने विरोध प्रदर्शन किया और बिना नोटिस कार्रवाई का आरोप लगाया। निगम अधिकारियों से उनकी बहस भी हुई।

कुछ स्थानों पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल के कारण स्थिति नियंत्रण में रही। ट्रैफिक डीएसपी एच बाथम ने भी मौके पर पहुंचकर कार्रवाई का निरीक्षण किया। कुछ अतिक्रमणों को छोड़े जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और निगम अमले को फटकार लगाते हुए सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद टीम ने जेसीबी चलाकर बचे हुए टीनशेड और अस्थाई कब्जे भी हटाए। इसी दौरान, ट्रैफिक पुलिस ने सडक़ पर बेतरतीब खड़े वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की। लगभग एक दर्जन से अधिक बाइक क्रेन की मदद से उठाकर थाने पहुंचाई गईं। इस संयुक्त कार्रवाई के चलते पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

उपयंत्री पर प्राणघातक हमला

आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीण विकास विभाग का प्रदर्शन

देवास

संयुक्त मोर्चा संगठन ग्रामीण विकास विभाग जिला देवास के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों ने 8 मई को बड़ी संख्या में कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जोरदार नारेबाजी करते हुए ज्ञापन सौंपा। इसके बाद जिला पंचायत सीईओ एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी ज्ञापन देकर उपयंत्री गोविन्द डावर पर हुए प्राणघातक हमले के आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि उपयंत्री श्री गोविन्द डावर जनपद पंचायत बागली के सेक्टर पाण्डुतालाब में पदस्थ हैं। जनपद सदस्य प्रतिनिधि संतोष डोडवे द्वारा उन्हें नवीन सामुदायिक भवन निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के लिए बुलाया गया था। निरीक्षण के दौरान उपयंत्री ने पाया कि प्रस्तावित स्थल पर पहले से चबूतरा निर्मित है, जिससे वहां तकनीकी रूप से निर्माण संभव नहीं है। उन्होंने नियमानुसार अन्य स्थान चयनित करने की सलाह दी थी। आरोप है कि नियम विरुद्ध कार्य करवाने के लिए उन पर दबाव बनाया गया। संयुक्त मोर्चा के अनुसार 4 मई 2026 को ग्राम पंचायत पाण्डुतालाब में शासकीय कार्य के दौरान संतोष डोडवे द्वारा उपयंत्री डावर पर लाठी से हमला किया गया। घटना के बाद उदयनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई, लेकिन प्राणघातक हमले की धाराएं नहीं जोड़ी गईं। वर्तमान में डावर की हालत गंभीर बताई जा रही है।

कर्मचारियों ने मांग की कि आरोपी संतोष डोडवे के खिलाफ प्राणघातक हमले की धाराएं बढ़ाकर तत्काल गिरफ्तारी की जाए। संगठन का कहना है कि आरोपी खुलेआम घूम रहा है, जिससे कर्मचारियों में भय का माहौल बना हुआ है।

टोडरमलजी महाराज की प्रतिमा का भव्य अनावरण

निकलेगी विशाल शोभायात्रा

देवास

माँ चामुण्डा की पावन नगरी देवास एक ऐतिहासिक और गौरवमयी क्षण का साक्षी बनने जा रही है। पोरवाल समाज के आराध्य, कुशल प्रशासक एवं समाज गौरव राजा टोडरमलजी महाराज की प्रतिमा का भव्य अनावरण समारोह 10 मई 2026 को अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर समाजजनों में विशेष उत्साह और उमंग का माहौल है। पोरवाल समाज देवास द्वारा आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह में प्रदेश एवं समाज के अनेक गणमान्य अतिथि शामिल होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9 बजे अतिथियों के आगमन के पश्चात प्रात: 9.30 बजे माता टेकरी शंख द्वार से गजरा गियर्स चौराहे तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में धार्मिक ध्वज, बैंड-बाजे, आकर्षक झांकियां एवं भक्ति संगीत श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह 11.30 बजे अतिथि स्वागत होगा तथा दोपहर 12.15 बजे स्टेशन रोड स्थित गजरा गियर्स चौराहे पर राजा टोडरमलजी महाराज की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया जाएगा। पोरवाल समाज अध्यक्ष सत्यनारायण संघवी, महिला मंडल अध्यक्ष प्रतिभा अजय गुप्ता, युवा संगठन, जिलाध्यक्ष अंकित गुप्ता , संस्थापक राजेंद्र संघवी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक पोरवाल, महासभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवकुमार संघवी पदाधिकारियों एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने समारोह को सफल बनाने की अपील की है।

गूंजेगा ऊँ नमः शिवाय का जयघोष, पंचकुंडीय महायज्ञ

संगीतमय शिवपुराण एवं शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

देवास

धार्मिक नगरी देवास के आदर्श नगर स्थित भारत माता उद्यान में आगामी 10 मई से 17 मई 2026 तक आठ दिवसीय भव्य शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं शिवोत्सव का आयोजन किया जाएगा। वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि प्रवीण वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य कलश यात्रा, पंचकुंडीय महायज्ञ, संगीतमय शिवपुराण कथा, भजन-सहस्त्रार्चन तथा महाप्रसादी (भंडारा) जैसे विविध धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे। भारत माता उद्यान विकास समिति आदर्श नगर देवास द्वारा आयोजित इस महोत्सव में कथा वाचन पंडित राकेश तिवारी द्वारा किया जाएगा। वार्ड क्रमांक 32 स्थित भारत माता उद्यान में नवनिर्मित शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे क्षेत्र को आकर्षक धार्मिक सजावट से सजाया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत 10 मई, रविवार को प्रात- 9 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगी, जो भारत माता उद्यान से प्रारंभ होकर क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से निकलेगी। इसके बाद प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से संगीतमय शिवपुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। वहीं 10 से 14 मई तक प्रतिदिन सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक पंचकुंडीय महायज्ञ संपन्न होगा, जिसमें श्रद्धालु यजमान बनकर पुण्य लाभ प्राप्त कर सकेंगे। आयोजन के अंतर्गत 10 से 13 मई तक प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक भजनानंद एवं सहस्त्रार्चन कार्यक्रम आयोजित होंगे। समिति ने बताया कि सहस्त्रार्चन कार्यक्रम सभी श्रद्धालुओं के लिए खुला रहेगा। 14 मई, गुरुवार को दोपहर 2 बजे शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा, प्रथम दर्शन एवं महाआरती का आयोजन विशेष आकर्षण रहेगा। महोत्सव का समापन 17 मई, रविवार को संतों के आशीर्वचन एवं विशाल महाप्रसादी (भंडारा) के साथ होगा।

आदि गुरु शंकराचार्य जयंती पर विद्यार्थियों को मिला सनातन और मानवता का संदेश

देवास

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) की साप्ताहिक कक्षा में विकासखंड कन्नौद, जिला देवास द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य जी की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में किया गया, जिसमें जिला समन्वयक डॉ. सुप्रिती यादव विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य जी के चित्र पर विधिवत पूजन-अर्चन एवं माल्यार्पण कर किया गया।

इस अवसर पर जिला समन्वयक डॉ. सुप्रिती यादव ने शंकराचार्य जी के जीवन एवं उनके महान कार्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य केवल किसी एक समुदाय के नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधने वाले महान संत थे।

उनका उद्देश्य मानवता, समाज और प्रकृति के कल्याण के लिए सनातन धर्म की स्थापना एवं संरक्षण करना था।

बागली विकासखंड समन्वयक प्रफुल्ल पाठक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि आदि शंकराचार्य जी ने अल्पायु में ही पूरे भारत को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य किया।

उन्होंने मात्र 32 वर्ष की आयु में देश के चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना कर सनातन संस्कृति को मजबूत आधार प्रदान किया। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य जी ने समाज को यह संदेश दिया कि ईश्वर प्रत्येक जीव में विद्यमान हैं तथा सभी मानव समान हैं।

उन्होंने आगे बताया कि आदि शंकराचार्य जी मात्र 8 वर्ष की आयु में चारों वेदों के ज्ञाता बन गए थे और अपने ज्ञान, तप एवं विचारों से संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बने।

कार्यक्रम में कन्नौद विकासखंड समन्वयक नीरज द्विवेदी, परामर्शदाता संतोष जाट, सुधीर सोमानी, मंगलेश बैरागी सहित सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन परामर्शदाता पूजा मोरी द्वारा किया गया।

गांधीसागर में मृत मिले तेंदुए दाह संस्कार किया

एनटीसीए गाइडलाइन अनुसार किया अंतिम संस्कार : डीएफओ

मंदसौर

मंदसौर वनमंडलाधिकारी संजय रायखेरे द्वारा बताया गया कि 7 मई 2026 को एक वन्यजीव तेन्दुआ की मृत्यु की घटना, जिसका स्थल मुख्य सडक नीमच झालावाड वन भूमि कक्ष क्रमांक 1011 बीट चंबल नं 3 वनपरिक्षेत्र गेम रेंज पूर्व गांधीसागर अभयारण्य के अंतर्गत प्रकाश में आई। जिस पर एनटीसीए नई दिल्ली एवं कार्यालय मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्यप्रदेश, भोपाल से जारी दिशा-निर्देश अनुरूप त्वरित कार्यवाही करते हुऐ घटना स्थल को सुरक्षित किया गया व डॉग स्क्वाड की सहायता से घटना स्थल एवं उसके आस-पास छानबीन की कार्यवाही की गई। पोस्ट मार्टम विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सकों विशेषज्ञयों डॉ. आकाश वाल्मीक एवं डॉ. सुमित कुमार पटेल के द्वारा किया गया। वन्यजीव तेन्दुआ शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाये गये।

निर्धारित प्रक्रिया अनुसार शवदाह / भस्मीकरण की कार्यवाही मप्र शासन वन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के आदेशानुसार द्वारा गठित समिति सदस्य वृत्त उज्जैन मुख्य वनसंरक्षक उज्जैन आलोक पाठक, मंदसौर वनमंडलाधिकारी संजय रायखेरे, अधीक्षक गांधीसागर अमित राठौर, नायब तहसीलदार भानपुरा सुनील अग्रवाल, गेम रेंज अधिकारी पूर्व गांधीसागर पीएल रायकवार, गेम रेंज अधिकारी पश्चिम गांधीसागर अभयारण्य पराग सेनानी, सरपंच ग्राम पंचायत गांधीसागर मनीष परिहार की उपस्थिति में दाह संस्कार किया गया।

उपरोक्त समस्त कार्यवाही की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई है। प्रकरण में वन अपराध प्रकरण क्रं. 3850/24 7 मई 2026 दर्ज कर प्रकरण में

खाद्य सुरक्षा टीम ने फलों की 6 दुकानों का औचक निरीक्षण, कर 11 नमूने लिए

सब्जी मंडी फ्रूट मार्केट में प्रतिबंधित कार्बाइड का उपयोग नहीं मिला

नीमच

आम पकाने में स्वस्ब्द्ध अनुमोदित एथिलीन रिपेनर का उपयोग पाया गया कलेक्टर हिमांशु चंद्रा एवं अपर कलेक्टर बीएस कलेश के निर्देशानुसार, खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने गुरुवार को नीमच के फ्रूट मार्केट, सब्जी मंडी में संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के प्रमुख बिंदु- टीम ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत फलों को पकाने में प्रतिबंधित कार्बाइड के उपयोग की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रतिष्ठान पर प्रतिबंधित कार्बाइड का उपयोग नहीं पाया । मौके पर आम को पकाने के लिए अनुमोदित एथिलीन रिपेनर का उपयोग किया जाना पाया गया। तरबूज का भी मौके पर प्राथमिक परीक्षण किया गया। जांच हेतु लिए गए नमूनों का विवरण- निरीक्षण उपरांत कुल 11 नमूने, जांच हेतु संग्रहित किए गए, जिनका विवरण इस प्रकार है- फर्म वारिस फ्रूट मर्चेंट, सब्जी मार्केट नीमच - तरबूज का नमूना, फर्म चंदेल फ्रूट कंपनी, सब्जी मंडी नीमच - बादाम आम का नमूना , फर्म अनवर हुसैन एंड ब्रदर्स - बादाम आम व लाल पट्टा आम का नमूना , फर्म शहंशाह-ए-हिन्द फ्रूट कंपनी - बादाम आम व पपीता का नमूना , फर्म आनंद फ्रूट कंपनी, सब्जी मार्केट, बादाम आम, तोता परी आम, अल्फांसो आम, केसर आम के नमूने , फर्म अतीक फ्रूट कंपनी, वीर पार्क रोड सब्जी मंडी - तरबूज का नमूना , सभी 11 नमूनों को राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल विशेष वाहक के हस्ते भेजा जा रहा है।

अभिहित अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने उक्त जानकारी देते हुए बताया, कि खाद्य सुरक्षा की दृष्टि से इस प्रकार की कार्यवाही जिले में निरंतर जारी रहेगी। प्रतिबंधित रसायनों के उपयोग पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

फटाफट खबरें

युवाओं का सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

पटना (ईएमएस)। बिहार में शिक्षक बहाली (टीआरई-4) के बहुप्रतीक्षित विज्ञापन में हो रही अनिश्चितकालीन देरी ने हजारों युवाओं के धैर्य के बांध को तोड़ दिया है। शुक्रवार को राजधानी पटना कॉलेज के समीप लगभग 5,000 शिक्षक अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतर आए और राज्य सरकार तथा संबंधित विभागों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। आंदोलनकारी छात्र टीआरई-4 का विज्ञापन जारी करो' के नारों के साथ नए शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी से तत्काल हस्तक्षेप और भर्ती प्रक्रिया को गति देने की मांग कर रहे हैं।

सड़क हादसे में तीन कलाकारों की मौत

सारण, (ईएमएस)। सारण जिले में शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक आर्केस्ट्रा पार्टी के तीन कलाकारों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह भीषण सड़क हादसा छपरा-सिवान मुख्य मार्ग एनएच-531 पर दाउदपुर से पूर्व बनवार-साधपुर चौक के समीप हुआ, जब कलाकारों को लेकर लौट रही मैजिक पिकअप वाहन की एक तेज रफ्तार ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। मृतकों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लोहड़ी गांव निवासी 20 वर्षीय संजीत कुमार मांझी और 18 वर्षीय जितेंद्र मांझी, तथा पश्चिम बंगाल निवासी महिला कलाकार सोनाथ कुमारी के रूप में की गई है। हादसे में कुल नौ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

पश्चिम बंगाल माध्यमिक परीक्षा के नतीजे घोषित

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल मध्य शिक्षा बोर्ड ने शुक्रवार को दसवीं कक्षा (माध्यमिक) के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस वर्ष कुल 86.83 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल रहे हैं, जो पिछले वर्ष के 86.56 प्रतिशत के मुकाबले मामूली सुधार दर्शाता है। बोर्ड अध्यक्ष रामानुज गांगुली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए परिणामों की विस्तृत जानकारी साझा की। इस साल की मेधा सूची में उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज स्थित शारदा विद्या मंदिर के अभिरूप भद्र ने परचम लहराया है। अभिरूप ने 700 में से 698 अंक (99.71 प्रतिशत) प्राप्त कर राज्य में पहला स्थान हासिल किया।

सेलिब्रिटीज का पसंदीदा शहर और निक जोनस की नई तारीफ

वैंकूवर (ईएमएस)। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में स्थित खूबसूरत शहर वैंकूवर, अपनी मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता के लिए दुनियाभर में मशहूर है। बॉलीवुड हो या हॉलीवुड, यह शहर बड़ी-बड़ी फिल्मों की शूटिंग के लिए पसंदीदा ठिकाना रहा है और अक्सर सेलिब्रिटीज छुट्टियां बिताने जाते हैं। हाल ही में सिंगर और अभिनेता निक जोनस ने अपने यूट्यूब वीडियो में शहर की जमकर तारीफ की है। उन्होंने वैंकूवर की प्राकृतिक भव्यता, शांत माहौल और स्थानीय आकर्षणों की झलक अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। वैंकूवर को अक्सर एक बच्चे द्वारा बनाई गई सीनरी जैसा बताया जाता है, जहाँ सामने बहती नदी हो, पीछे ऊँचे पहाड़ और नीले आसमान में उड़ते परिंदे। यह प्रशांत महासागर के किनारे बसा एक आधुनिक तटीय शहर है, जो पहाड़ों और समुद्र के अनोखे मेल के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

भारत के अवैध प्रवासियों को वापस उनके देश भेजा जाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार ने देश में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की वापसी, सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) और सीमा पार आतंकवाद के मुद्दों पर अपना रुख पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। नई दिल्ली में प्रेस वार्ता के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत की संप्रभुता और सुरक्षा से जुड़े मामलों पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत में अवैध रूप से रह रहे सभी विदेशी नागरिकों को कानून और द्विपक्षीय समझौतों के तहत उनके मूल देश वापस भेजा जाएगा। यह बयान विशेष रूप से बांग्लादेशी प्रवासियों के संदर्भ में देखा जा रहा है, जिस पर पड़ोसी देश के कुछ मंत्रियों ने हाल ही में चिंताजनक टिप्पणियां की थीं। बांग्लादेश के मंत्रियों द्वारा 'पुशबैक' और संभावित कार्रवाई की धमकियों पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रवक्ता ने कहा कि इस मुद्दे को सही परिप्रेक्ष्य में समझने की जरूरत है।

तेजी से बढ़ रहा भारतीय रक्षा क्षेत्र, मिली कई उपलब्धियां

रक्षा बजट का पूरा इस्तेमाल और रिकॉर्ड निर्यात से सेक्टर में मजबूत ग्रोथ की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रक्षा क्षेत्र अभूतपूर्व तेजी से आगे बढ़ रहा है। अप्रैल 2026 में देश ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं, जिनमें तीसरी परमाणु ताकत से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिधमन का बेड़े में शामिल होना और लंबी दूरी के स्वदेशी ड्रोन प्लेटफॉर्म प्रोजेक्ट केएएल का अनावरण प्रमुख हैं। बढ़ते रक्षा बजट तेज खरीद और रिकॉर्ड निर्यात ने इस सेक्टर के लिए मजबूत ग्रोथ की नींव रखी है। ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एचएएल और सोलर इंडस्ट्रीज को पसंदीदा शेयर बताते हुए कहा है कि भारतीय रक्षा कंपनियों के लिए माहौल काफी मजबूत बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.86 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत रक्षा बजट का पूरा उपयोग किया गया, साथ ही एमआर-एसएएम मिसाइल सिस्टम की दो रेजिमेंटों की खरीद को भी मंजूरी मिली। देश का रक्षा निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 63 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 3.84 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें निजी कंपनियों का योगदान भी तेजी से बढ़कर 45 फीसदी हो गया है। प्रमुख रक्षा कंपनियों को भी बड़े ऑर्डर मिले हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को 570 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले, जबकि सोलर इंडस्ट्रीज की सहयोगी कंपनी ने भारतीय सेना को 60 किलोमीटर तक मार करने वाला पिनाका मार्क-1 सिस्टम सौंपा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने ध्रुव मार्क-3 हेलीकॉप्टर की आपूर्ति शुरू कर दी है और अमेरिकी कंपनी जीई पर तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान के इंजन की आपूर्ति में देरी के लिए जुर्माना भी लगाया। एचएएल को रूस से 13,500 करोड़ रुपये के सुखोई-30 विमान के 12 किट भी मिले हैं। शिपबिल्डिंग क्षेत्र में भी तेजी दिख रही है, मझगांव डॉक ने चौथे फास्ट पेट्रोल वेसल का काम शुरू किया और श्रीलंका की कोलंबो डॉकयार्ड में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी। कोचीन शिपयार्ड और गोवा शिपयार्ड ने भी नौसेना के लिए महत्वपूर्ण युद्धपोत और ऑफशोर पेट्रोल वेसल डिलीवर किए। ड्रोन और हथियार निर्माण में भी भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। होवर आईटी उत्तर प्रदेश में दिव्यास्त्र एमके2 ड्रोन बनाने का प्लांट लगा रही है, जबकि इनसइडएफपीवी ड्रोन ने रक्षा मंत्रालय को 100 करोड़ रुपये के ड्रोन भेजे। सन आईनाक्स मेटल फोर्ज ने सालाना 1 लाख तोप के गोले बनाने वाला प्लांट शुरू किया है। यह दर्शाता है कि भारत का रक्षा क्षेत्र न केवल मजबूत हो रहा है, बल्कि भविष्य के लिए आत्मनिर्भर और तैयार भी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 516 अंक, निफ्टी 150 अंक गिरा

मुंबई (ईएमएस)।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंकों नीचे आकर 77,328.19 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 150.50 अंक फिसलकर 24,176.15 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स नीच आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी आई। विभिन्न क्षेत्रों की बात करें तो निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 1.21 फीसदी की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी पीएसयू बैंक में 3.06 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.52 फीसदी, निफ्टी मेटल में 0.87 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.82 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.94 फीसदी और निफ्टी ऑटो में 0.29 फीसदी की गिरावट रही । निफ्टी पैक में टाइटन, अपोलो हॉस्पिटल, एशियन पेंट्स, टाटा कंज्यूमर, अदाणी पोर्ट्स, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में तेजी देखने को मिली, और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा एसबीआई के शेयरों में गिरावट रही। इसके साथ ही कोल इंडिया, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी नीचे आये। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 475 लाख करोड़ रुपए से कम होकर 473 लाख करोड़ रुपए ही रहा। इस प्रकार निवेशकों को एक ही दिन में करीब 2 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोर रही।

जन सुरक्षा योजनाओं का बीमा कवर 5 लाख करने पर सरकार कर रही विचार

नई दिल्ली (ईएमएस)।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के करोड़ों लाभार्थियों के लिए एक बड़ी खबर है। सरकार इन दोनों महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत बीमा कवर को वर्तमान 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रही है। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी, जिससे लाखों लोगों को अधिक सुरक्षा कवच मिलने की उम्मीद जगी है। उन्होंने बताया कि वित्त मंत्रालय प्रीमियम की लागत, पॉलिसी खरीदने की सामर्थ्य और मध्यस्थता व्यय सहित विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी यह सिर्फ विचारणीय स्तर पर है और स्वीकृति के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। उन्होंने इस स्तर पर किसी भी अटकल से बचने को कहा, लेकिन पुष्टि की कि कवरेज राशि बढ़ाने पर विचार जारी है। ये योजनाएं 2015 में जन सुरक्षा कार्यक्रम के तहत वित्तीय समावेशन के उद्देश्य से शुरू की गई थीं, जिनका लक्ष्य कम लागत पर सस्ती बीमा सेवा प्रदान करना है। ये सीधे बचत खातों से जुड़ी हैं और ऑटो-डेबिट व्यवस्था के तहत हर साल इनका नवीनीकरण होता है। वर्तमान में पीएमजेजेबीवाई 18 से 50 वर्ष की आयु के लोगों को 436 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर किसी भी कारण से मृत्यु की स्थिति में 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्रदान करती है। वहीं पीएमएसबीवाई 18 से 70 वर्ष के लोगों को 20 रुपये प्रति वर्ष के प्रीमियम पर आकस्मिक मृत्यु और विकलांगता की स्थिति में 2 लाख रुपये का बीमा कवर देती है। इन योजनाओं को जन धन खातों और ग्रामीण बैंकिंग नेटवर्क के माध्यम से व्यापक सफलता मिली है।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता 2027 में लागू होने की संभावना

ईयू राजदूत ने व्यापार सुगमता पर दिया जोर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 2027 तक लागू हो सकता है। ईयू के भारत में राजदूत हरवे डेल्फिन ने बताया कि समझौते के मसौदे की कानूनी समीक्षा फिलहाल अंतिम चरण में है, जिसके बाद इसके सुचारु रूप से आगे बढ़ने की उम्मीद है। ब्रसेल्स में इस समझौते को मिले व्यापक राजनीतिक समर्थन के मद्देनजर 2027 तक इसके क्रियान्वयन की संभावना प्रबल है। फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया (एफईबीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए डेल्फिन ने कहा कि दोनों पक्ष मसौदे को उचित कानूनी शक्ल देने के लिए समीक्षा कर रहे हैं। भारतीय अधिकारियों ने इस प्रक्रिया के जुलाई तक पूरा होने की उम्मीद जताई है। राजदूत ने समझौते के सुचारु और सद्भावनापूर्ण क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आगाह किया कि सीमा शुल्क प्रक्रियाएं या अनुपालन आवश्यकताएं व्यापार में अनावश्यक बाधा न बनें, अन्यथा तरजीही शुल्कों के लाभ से कहीं अधिक अनुपालन की लागत हो जाएगी। उनका मानना था कि दोनों पक्षों को व्यापार को अधिक आसान बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। डेल्फिन ने भारत में चल रहे गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) प्रणाली में सुधारों का स्वागत किया और इस क्षेत्र में आगे कार्रवाई की उम्मीद जताई। हालांकि, उन्होंने एफटीए मसौदे में गैर-सेवा क्षेत्रों में निवेश उदारीकरण से संबंधित प्रावधान की अनुपस्थिति की ओर भी इशारा किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि एफटीए लागू होने के दो साल बाद समीक्षा खंड के तहत इस मुद्दे पर फिर से विचार किया जाएगा। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन ने नियामक बाधाओं से निपटने के लिए एफटीए में शामिल 'त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र' का उल्लेख किया। उन्होंने 'वीआईपी तंत्र' का जिक्र किया, जिसके तहत यदि कोई मुद्दा वार्ताकारों के स्तर पर हल नहीं होता है, तो वह बहुत कम समय में सीधे मंत्री स्तर पर पहुंच जाता है। जैन ने 'गैर-उल्लंघन तंत्र' को भी नवोन्मेषी बताया।

राजस्थान के कोटा में तेजी से फैल रहा आई फ्लू

स्ट्रेन बदलने से महीने भर में ठीक हो रहे मरीज

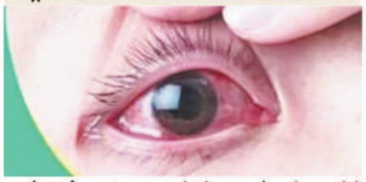

कोटा, (ईएमएस)। राजस्थान के कोटा शहर और ग्रामीण इलाकों में इन दिनों आई फ्लू तेजी से फैल रहा है, यह संक्रमण पहले जैसा सामान्य नहीं है। चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक वायरल संक्रमण के साथ बैक्टीरियल इन्फेक्शन जुड़ने की वजह से आई फ्लू का स्ट्रेन बदल गया है। यही कारण है कि मरीज अब जल्दी ठीक नहीं हो रहे हैं, जहां पहले इस बीमारी से 4 से 5 दिन में राहत मिल जाती थी, वहीं अब मरीजों को रिकवर होने में 15 दिन से एक महीने तक का समय लग रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शहर से लेकर गांव तक, अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में आंखों के मरीजों की कतारें लंबी होती जा रही हैं।

» 12 देशों में हंता वायरस बढ़ा खतरा, अलर्ट जारी

वॉशिंगटन, (ईएमएस)। दुनिया भर में स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता की लहर दौड़ गई है। जानलेवा हंता वायरस के फैलने की आशंका के चलते विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया के 12 देशों को रेड अलर्ट जारी किया है। यह खतरा उस 'अछूत' क्रूज शिप 'एमवी होंडियस' से उत्पन्न हुआ है, जिसे वर्तमान में कोई भी देश अपनी जमीन पर जगह देने को तैयार नहीं है। दरअसल, संक्रमण के मामले गंभीर होने से पहले ही इस जहाज से कुछ यात्री उतरकर अपने-अपने देशों में वापस चले गए थे, जिससे अब वहां वायरस फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने गुरुवार को पुष्टि की है।

अमेरिकी कोर्ट का ट्रंप को झटका- 10 % टैरिफ रद्द!

तेहरान (ईएमएस)। ईरान और अमेरिका के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक नीतियों को एक बड़ा कानूनी झटका लगा है। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने वैश्विक स्तर पर लगाए गए 10 प्रतिशत के आयात शुल्क (टैरिफ) को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया है। अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि 24 फरवरी 2026 को लागू किया गया यह टैरिफ 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 122 के तहत कानूनी रूप से उचित नहीं है। यह नया आयात शुल्क उस समय लगाया गया था जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन के पिछले व्यापक टैरिफ को रद्द कर दिया था।

इटली में वेनिस बिनाले अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में रूकेन के राष्ट्रीय झंडे जैसा झंडा लिए हुए लोग। वहीं पूसी रॉयट ग्रुप के सदस्य भी इस दौरान प्रदर्शन करते दिखे। -फोटो-ईएमएस

शशि थरूर अपनी पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली, (ईएमएस)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। थरूर ने आरोप लगाया है कि उनकी सहमति के बिना उनके नाम, छवि और व्यक्तित्व का बेजा इस्तेमाल किया जा रहा है। इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की पीठ करेगी।

कांग्रेस नेता ने अपनी याचिका में कई आरोपियों के खिलाफ कोर्ट से राहत मांगी है। इसमें कई अज्ञात लोग भी शामिल हैं। थरूर ने कोर्ट से अपील की है कि इंटरनेट और अन्य प्लेटफॉर्म से कई डीपफेक वीडियो और एआई-मॉर्फ्ड कंटेंट को तुरंत हटाया जाए। बता दें थरूर की ओर से यह याचिका लॉ फर्म ट्राईलीगल के पार्टनर और वकील निखिल नरेंद्रन के जरिए दायर की गई है। थरूर अब उन अभिनेताओं, क्रिकेटरों और अन्य मशहूर हस्तियों की लंबी सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने पिछले कुछ सालों में अपने पब्लिक और पर्सनैलिटी राइट्स की रक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

इससे पहले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर भी कोर्ट से इसी तरह का इंजंक्शन हासिल कर चुके हैं। कोर्ट ने विज्ञापनों, मर्चेंडाइज और एआई-जनरेटेड कंटेंट में इन सितारों के नाम, आवाज, तस्वीर और हुबहू पहचान के बिना इजाजत इस्तेमाल पर सख्त पाबंदी लगाई थी।

अमेरिका बदनाम हुआ ट्रंप तेरे लिए, ईरान ने निकाल दी हैकड़ी

अजेय अमेरिका की तस्वीर की जमीनी हकीकत आई सामने

तेहरान, (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब दूसरी बार अमेरिका की सत्ता संभाली थी, तो उन्होंने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे के साथ देश को महानता के एक नए दौर में ले जाने का वादा किया था। अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रपतियों की नीतियों की आलोचना करते हुए उन्होंने एक सशक्त और अजेय अमेरिका की तस्वीर पेश की थी, लेकिन आज जमीनी हकीकत इन दावों के बिल्कुल विपरीत खड़ी है। ईरान के साथ शुरू हुए युद्ध ने न केवल ट्रंप की लोकप्रियता को गर्त में धकेल दिया है, बल्कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश की अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को भी धूल चटा दी है। सुपरपावर की वह 'हेकड़ी' जो कभी धमकियों के दम पर दुनिया को झुकाती थी, आज वैश्विक मंच पर संघर्ष करती नजर आ रही है। ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका की स्थिति का अंदाजा विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षणों से लगाया जा सकता है, जो बताते हैं कि उनकी लोकप्रियता में रिकॉर्ड गिरावट आई है। जो ट्रंप चुनाव के समय बेहद लोकप्रिय थे, आज उनकी स्वीकार्यता दर गिरकर मात्र 34-37 प्रतिशत रह गई है, जबकि 60 प्रतिशत से अधिक अमेरिकी नागरिक उनके निर्णयों को खारिज कर रहे हैं।

» नाटो देशों के साथ अमेरिका के संबंध बिखर चुके

ईरान युद्ध को लेकर 54-61 प्रतिशत जनता ने अपनी नापसंदगी जाहिर की है। आम अमेरिकी नागरिक युद्ध की वजह से बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों से त्रस्त है। युद्ध से पहले स्थिर रहने वाली पेट्रोल-डीजल की कीमतें अब 34-50 प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं, जिसने घरेलू बजट को पूरी तरह बिगाड़ दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका अलग-थलग पड़ता दिख रहा है। जो देश कभी ट्रंप की धमकियों से सहम जाते थे, अब वे खुलकर उनके खिलाफ बोल रहे हैं। कनाडा, क्यूबा और मेक्सिको जैसे पड़ोसी देशों का रुख सख्त हुआ है, तो वहीं ग्रीनलैंड मामले और ईरान युद्ध के बाद नाटो देशों के साथ अमेरिका के संबंध लगभग बिखर चुके हैं। यूरोपीय देशों द्वारा अपना अलग स्टैंड लेने के कारण अमेरिका का वह प्रभाव खत्म हो गया है, जिसके दम पर वह नाटो को नियंत्रित करता था। स्ट्रैट ऑफ होर्मुज को लेकर शुरू किया गया 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' ईरानी हमलों के बाद ठप पड़ चुका है, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा गया है और अमेरिकी शेयर बाजार अस्थिर हो गए हैं।

फिल्म पति पत्नी और वो दो में नजर आयेंगे आयुष्मान

अपनी आगामी फिल्म पति पत्नी और वो दो के व्यापक प्रचार में अभिनेता आयुष्मान खुराना व्यस्त हैं। उनके साथ अभिनेत्री सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान मुंबई में सारा अली खान उस वक्त हैरत में पड़ गईं जब कार्यक्रम के मेजबान ने कुछ ऐसी टिप्पणी कर दी जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए सारा ने कहा, क्या बोल रहा है यह। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने दर्शकों और प्रशंसकों के बीच एक नई बहस छेड़ दी है। वायरल हुए वीडियो में देखा जा सकता है कि सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और आयुष्मान खुराना दर्शकों के बीच बैठे हुए हैं। मंच पर खड़ा मेजबान, पापाराजी की कार्यशैली पर कटाक्ष करते हुए कहता है, आप लोग वो वाली रील्स डालते हो ना कि किसी सेलेब्रिटी का बैक साइड का फोटो डालकर कि पहचानो कौन है। झूठ नहीं कह रहा, मैं सब सेलेब्रिटीज को पीछे से जानता हूं। मैंने इतना टाइम बिताया है उस चीज पर। आगे से मैं समझ पाऊं या ना समझ पाऊं उन्हें, लेकिन पीछे से मैं जानता हूं। मेजबान की ये बातें सुनते ही मंच के पास मौजूद कुछ लोग टिप्पणी करते हुए कहते हैं कि गलत साइड पर चले गए तुम। गलत बात शुरू कर दी। इस आपत्तिजनक बयान से इवेंट का माहौल कुछ देर के लिए असहज हो गया। मेजबान की यह बात सुनकर सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह के हाव-भाव में तुरंत बदलाव आता है। सारा अपनी आँखें बड़ी करके इधर-उधर देखती हैं, जैसे उन्हें अपनी कानों पर विश्वास न हो। वह फिर अपनी बगल में बैठे आयुष्मान खुराना की तरफ मुड़कर कहती हैं, क्या बोल रहा है यह। उनकी प्रतिक्रिया में स्पष्ट रूप से हैरानी और थोड़ी असहजता देखी जा सकती है। इसके तुरंत बाद, मंच पर खड़ा मेजबान रकुल प्रीत सिंह की तरफ मुखातिब होता है और पूछता है, मैम आती हैं इस टाइप की वीडियोज? इस पर रकुल प्रीत सिंह भी हाँ में सिर हिलाती हैं, और उनकी प्रतिक्रिया में हल्का ठहाका और तालियां भी सुनाई देती हैं।

इसके बाद मेजबान मजाकिया लहजे में अपनी बात जारी रखते हुए कहता है, मैं तो आपको बता रहा हूं, ये सारे वीडियोज मेरी आर्काइव में हैं। और फिर अपनी बात को और आगे बढ़ाते हुए कहता है, मां कसम बता रहा हूं मैं तो, ये वीडियोज देख-देखकर प्रैक्टिस करता हूं मैं। इस पूरे वाकये पर सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई दर्शकों ने मेजबान की टिप्पणियों को बेशर्मी और सीमा पार करने वाला बताया है। एक फॉलोअर ने लिखा कि कॉमेडी नहीं बेशर्मी कहते हैं इसे, जबकि दूसरे ने टिप्पणी की कि सारा अली खान के एक सप्रेशन्स बता रहे हैं कि होस्ट ने लाइन क्रॉस की है।

फिन एलन ने शतक जड़कर कोलकाता को दिलाई जीत

प्लेऑफ की उम्मीदों को रखा जिंदा

नई दिल्ली।

दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जा रहा है। कोलकाता ने टॉस जीत लिया है और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। दिल्ली और कोलकाता दोनों ही टीमों के लिए ये मुकाबला काफी अहम होने वाला है। दिल्ली अगर इस मैच में जीत हासिल करती है, तो उनकी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें जिंदा रहेंगी।

कोलकाता के लिए भी स्थिति यही है। अगर वे प्लेऑफ में पहुंचना चाहते हैं, तो उन्हें हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। अगर इन दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो केकेआर की टीम थोड़ा आगे नजर आती है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 35 मुकाबले खेले गए

हैं, जहां 15 मैचों में दिल्ली को जीत मिली है। इसके अलावा कोलकाता ने 19 मुकाबलों में बाजी मारी है, जबकि एक मैच का कोई नतीजा नहीं निकल सका। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुकाबले में जीत हासिल कर ली है। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 142 रन बनाए थे।

कोलकाता ने 143 रनों के लक्ष्य को 14.2 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। केकेआर के लिए फिन एलन ने कमाल की पारी खेली और शतक लगाया। वे 47 गेंदों पर 100 रन बनाकर नाबाद रहे।

फिन एलन का अर्धशतक

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए दिल्ली के खिलाफ खेलते हुए शानदार बल्लेबाजी की है। एलन ने 32 गेंदों पर अपना अर्धशतक लगाया। ये आईपीएल में उनका पहला अर्धशतक है।

अच्छे कलाकार बनने के लिए धैर्य, मेहनत जरूरी

सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर का मानना है कि एक अच्छे कलाकार बनने के लिए धैर्य, मेहनत और सही प्रोजेक्ट का चुनाव बेहद जरूरी होता है। अभिनेत्री का कहना है कि वह ऐसे काम का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाए रखे। सई मांजरेकर ने हाल ही में मीडिया से अपने करियर और काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि अब उन्हें यह समझ आ गया है कि एक अभिनेता के रूप में खुद को समय देना बहुत जरूरी है। अभिनेत्री के मुताबिक वह मौजूदा ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखतीं, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट चुनना पसंद करती हैं जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ने और सीखने का अवसर दें। सई ने कहा कि जब कोई काम पूरी ईमानदारी और दिल से किया जाता है, तो उसका असर दर्शकों पर गहरा पड़ता है और लोग उसे लंबे समय तक याद रखते हैं। उनके अनुसार अभिनय केवल कैमरे के सामने आकर संवाद बोलना नहीं है, बल्कि हर किरदार को महसूस करना और उसमें सच्चाई लाना भी उतना ही जरूरी है। यही वजह है कि वह जल्दबाजी में ज्यादा प्रोजेक्ट साइन करने के बजाय सोच-समझकर काम चुनती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वह अपने हर नए प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हैं। उनके लिए यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि वह अपने काम के प्रति ईमानदार रहें और ऐसी कहानियों का हिस्सा बनें, जिनसे वह खुद भी भावनात्मक रूप से जुड़ाव महसूस करें। सई के मुताबिक लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए कलाकार का अपने काम के प्रति सच्चा होना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने हर किरदार में गहराई और सच्चाई लाने की कोशिश करती हैं ताकि दर्शक उससे खुद को जोड़ सकें। सई का मानना है कि अभिनय में वास्तविक भावनाएं ही किसी किरदार को खास बनाती हैं। इन दिनों सई मांजरेकर अपनी आगामी फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म आजादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा।

'दादी की शादी' है दिल के बेहद करीबः सादिया खतीब

अपनी अपकमिंग पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'दादी की शादी' को लेकर अभिनेत्री सादिया खतीब चर्चा में हैं। हाल ही में सादिया ने बताया कि इस फिल्म की कहानी उनके दिल को इतनी गहराई से छू गई थी कि उन्होंने इसे साइन करने में बिल्कुल भी समय नहीं लगाया। सादिया के मुताबिक, लंबे समय तक गंभीर और इंटेंस किरदार निभाने के बाद वह कुछ अलग और भावनात्मक कहानी का हिस्सा बनना चाहती थीं। सादिया खतीब ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार फिल्म की कहानी सुनी, तो उन्हें तुरंत एहसास हो गया कि यह एक खास प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा कि कहानी सुनने के बाद उन्हें हां करने में मुश्किल से एक मिनट लगा होगा। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने यह फिल्म अपनी पिछली रिलीज 'डिप्लोमैट' से भी पहले साइन कर ली थी। उनके अनुसार लगातार गंभीर भूमिकाएं निभाने के बाद एक कलाकार के तौर पर बदलाव जरूरी हो जाता है और 'दादी की शादी' उनके लिए वही बदलाव लेकर आई। अभिनेत्री ने कहा कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि परिवार और रिश्तों की भावनात्मक यात्रा है। इसमें माता-पिता, दादा-दादी और परिवार के अन्य सदस्यों के बीच के रिश्तों को बेहद खूबसूरती से दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से भी ऐसी कहानी दुनिया के सामने लाना चाहती थीं, जिससे लोग खुद को जोड़ सकें। अपनी निजी जिंदगी का जिक्र करते हुए सादिया खतीब भावुक भी नजर आईं। उन्होंने बताया कि कुछ साल पहले रक्षाबंधन के मौके पर उन्होंने अपनी दादी को खो दिया था और वह उनके बेहद करीब थीं। अभिनेत्री ने कहा कि उनके दादाजी का निधन भी काफी पहले हो गया था। जब उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट सुनी, तो उन्हें अपनी दादी के साथ बिताए खूबसूरत पल याद आ गए। उन्होंने कहा कि आज भी जब वह अपनी दादी के बारे में सोचती हैं, तो ऐसा लगता है जैसे वह कल की ही बात हो। सादिया के मुताबिक, फिल्म में उन्हें उसी पवित्र रिश्ते को पर्दे पर निभाने का मौका मिला, जिसने इस प्रोजेक्ट को उनके लिए और भी खास बना दिया। फिल्म के विषय और शीर्षक को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि आज के दौर में ऐसी साफ-सुथरी पारिवारिक फिल्में बहुत कम बनती हैं। उन्होंने बताया कि 'दादी की शादी' में कॉमेडी, इमोशन और परिवार से जुड़ी भावनाओं का खूबसूरत मिश्रण देखने को मिलेगा। खास बात यह है कि यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों के लिए बनाई गई है और इसे पूरा परिवार साथ बैठकर देख सकता है।

अदिति भाटिया का खुलासा

टीवी धारावाहिक 'ये है मोहब्बतें' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अदिति भाटिया ने हाल ही में अपने करियर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। अदिति ने बताया कि कई बार उन्हें केवल इसलिए काम नहीं मिला क्योंकि निर्माता उन्हें जरूरत से ज्यादा खूबसूरत मानते थे। अभिनेत्री का कहना है कि उनकी सुंदरता ही कई बार उनके करियर में बाधा बन गई। एक इंटरव्यू के दौरान अदिति भाटिया ने कहा कि कई ऑडिशन में उनकी एक्टिंग की तारीफ की गई, लेकिन बाद में यह कहकर रिजेक्ट कर दिया गया कि वह किरदार के हिसाब से बहुत ज्यादा ग्लैमरस लगती हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनना उनके लिए काफी निराशाजनक था क्योंकि वह चाहती हैं कि लोग उनके अभिनय को महत्व दें, न कि केवल उनके लुक्स को। अदिति ने बताया कि अब उनका लक्ष्य ऐसे किरदार निभाना है जो चुनौतीपूर्ण हों और जिनमें उनकी अभिनय क्षमता खुलकर सामने आ सके। उन्होंने कहा कि कलाकार के लिए सबसे जरूरी उसकी प्रतिभा होती है, लेकिन कई बार इंडस्ट्री में बाहरी रूप को ज्यादा महत्व दिया जाता है। सोशल मीडिया पर अदिति भाटिया की बड़ी फैन फॉलोइंग है और लोग उनकी खूबसूरती की खूब तारीफ करते हैं। हालाँकि अभिनेत्री का मानना है कि स्क्रीन पर केवल सुंदर दिखना ही काफी नहीं है। वह ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं जहाँ उनके अभिनय को पहचान मिले।

अल-हिरा पब्लिक स्कूल बना इंटर स्कूल फेंसिंग चैंपियन

8 गोल्ड, 10 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर किया शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली।

श्रीकृष्ण पब्लिक स्कूल में आयोजित इंटर स्कूल फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 में अल हिरा पब्लिक स्ध्द्यश्यद्य के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। विद्यालय के खिलाड़ियों ने कुल 33 मेडल जीतकर प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम रखा।

टीम ने 8 गोल्ड, 10 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए। गोल्ड मेडल विजेताओं में इरम फातमा, अरहम मंसूरी, अलीशान मंसूरी, मोहम्मद तोहिद, अयान कुरैशी, आशना खान, सारा मंसूरी और मोहम्मद शाद शामिल रहे। वहीं सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल विजेताओं ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विद्यालय के प्रिंसिपल याकूब मेमन ने

खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से स्कूल का नाम गौरवान्वित किया है। कोच जावेद खान एवं समस्त स्टाफ ने भी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संभागायुक्त सिंह और कलेक्टर सिंह ने नियमित निरीक्षण के तहत जीवनखेड़ी मार्ग निर्माण और कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना कार्य का निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री के संकल्प से शिप्रा के जल से संत और श्रद्धालु करेंगे सिंहस्थ में स्नान

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संकल्पना से सिंहस्थ महापर्व पर शिप्रा नदी में शिप्रा के साफ-स्वच्छ जल से स्नान होगा। शुक्रवार को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना और जीवन खेड़ी से सिकंदरी तक सीमेंट कांक्रीट मार्ग निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ महापर्व के लिए कान्ह डायवर्शन योजना महत्वपूर्ण है। इस योजना को समय सीमा में करने के लिए रात और दिन कार्य कर पूर्ण किया जाए।

संभागायुक्त सिंह ने जीवन खेड़ी से सिकंदरी तक निर्माणाधीन सीमेंट कांक्रीट मार्ग निर्माण के दौरान बड़े आकार के पौधे मार्ग के दोनों ओर लगाने के निर्देश दिए, जिससे मार्ग का कार्य पूर्ण होने के बाद पूरा मार्ग ग्रीन होकर सुंदर लगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प से विश्व स्तरीय अलौकिक सिंहस्थ 2028 महापर्व के दौरान साधु-संत और विश्व भर से आने वाले करोड़ों श्रद्धालु निर्मल साफ स्वच्छ मोक्षदायिनी मां शिप्रा के जल से स्नान करेंगे। कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना का मुख्य उद्देश्य कान्ह नदी के दूषित जल को उज्जैन शहर में शिप्रा नदी में मिलने से रोकना है, जिससे कि शिप्रा नदी का जल पवित्र बना रहे।

संभागायुक्त ने सात दिन के कार्य की जानकारी ली

शुक्रवार को संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों का नियमित निरीक्षण किया। इस दौरान संभागायुक्त सिंह और कलेक्टर सिंह ने सिंहस्थ के लिए महत्वपूर्ण कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना के निर्माण कार्य स्थल गंगेड़ी पहुंचकर कार्य का निरीक्षण किया। संभागायुक्त सिंह ने सात दिन में की गई कार्य प्रगति की जानकारी ली। मौके पर मौजूद इंजीनियरों ने जानकारी दी कि सात दिवस (एक सप्ताह) के दौरान 34 मीटर क्षेत्र में तीन क्रेन के माध्यम से भूमिगत टनल में कार्य किया गया है। परियोजना में करीब 1.6 किलोमीटर क्षेत्र तक कार्य जून महीने तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। क्रेन से प्री-कास्ट सेगमेंटस टनल में उतारने के कार्य का जायजा लिया ग्राम गंगेड़ी में कान्ह डायवर्सन परियोजना के तहत निर्माणाधीन टनल में क्रेन की सहायता से यूएनसी सिगमेंट डालने के कार्य का अवलोकन संभागायुक्त सिंह और कलेक्टर सिंह ने किया। कट एंड कवर भाग में कुल 18.15 कि.मी. लम्बाई में से 4.50 कि.मी. लम्बाई में प्री-कास्ट सेगमेंट्स का लेईंग कार्य पूर्ण होकर शेष कार्य प्रगतिरत है। कुल 18.15 कि.मी. में से 10.30 कि.मी. लम्बाई में लेईंग कर सेगमेंट्स बनाए जा चुके है। 2/3 टनल भाग के निर्माण के लिए चारों शाफ्ट का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।

संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि परियोजना पूर्ण करने के लिए एक-एक दिन महत्वपूर्ण है। समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण किया जाए।एमआर-21 मार्ग निर्माण के दौरान बड़े आकार के पौधे मार्ग के दोनों ओर लगाएं संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत निर्माणाधीन एमआर 21 जीवन खेड़ी-सिंकदरी सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। यहां पर 4.8 किलोमीटर लंबे और 30 मीटर चौड़े सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है। मौके पर मौजूद इंजीनियर ने जानकारी दी कि सड़क के एक ओर से सर्विस रोड़ का निर्माण प्रगतिरत है। संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण के दौरान दोनों ओर बड़े आकार के पौधे लगाए जाएं, जिससे मार्ग में हरियाली रहे और मार्ग सुंदर भी दिखाई दे। संभागायुक्त सिंह ने कहा कि निर्माण कार्य तेजी से कराएं अब कोई कारण भी नही है। कार्य में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

»न्यूज ब्रीफ

'शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026" के अन्तर्गत

उज्जैन। पिछड़ा वर्ग के युवाओं को सैन्य बल, पुलिस एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों में भर्ती के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन द्वारा शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 शुरू की गई है। योजना के क्रियान्वयन के लिए शुक्रवार 08 मई को जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट की अध्यक्षता में प्रातः 10:30 बजे जिला पंचायत सभागृह में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरूप्रसाद पाराशर, कल्याण संयोजक, जिला सैनिक कल्याण भवर सिंह मेरावत, प्राचार्य शा.क.कालिदास महाविद्यालय डॉ. वन्दना गुप्ता एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें बैठक का संचालन सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग डॉ. अनुराधा सकवार के द्वारा किया गया।

तापमान 11 दिन बाद फिर 42 डिग्री के पारः परेशान रहे लोग

उज्जैन। गर्मी एक बार फिर अपने तेवर दिखाने लगी है। शुक्रवार को पारा एक फिर 42 डिग्री पार कर गया। जिसके चलते दिन भर भीषण गर्मी के कारण लोग परेशान होते रहे। तीन दिन से पारा 40 डिग्री से भी कम था दो दिन में पारा एकाएक तीन डिग्री बढ़ गया। करीब 11 दिन बाद एक फिर पारा 42.4 दर्ज किया गया , इससे पहले 26 अप्रैल को 42.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। जिसके चलते दिन भर भीषण गर्मी रही, दोपहर में सड़कें सूनी दिखाईं दी, जो लोग जरूरी काम से बाहर निकले थे, उन्होंने गर्मी से बचाव कर सड़कों पर दिखाई दिए। मौसम विभाग की मानें तो अगले हफ्ते गर्मी इसी तरह लोगों को परेशान करेगी और पारा 40 से 43 डिग्री के बीच रहने की संभावना बनी रहेगी।

18 केंद्रों पर 10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा शुरू

उज्जैन। माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षाएं गुरुवार से शुरू हुई। पहले दिन 10वीं की हिंदी परीक्षा आयोजित की गई। इन परीक्षाओं में पूरक, अनुत्तीर्ण और श्रेणी सुधारने वाले विद्यार्थी शामिल हैं। जिले में 10वीं के लिए 5158 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। इनमें 3570 रेगुलर और 1588 प्राइवेट हैं। 12वीं के लिए 3908 पंजीकृत हैं। इनमें 2607 रेगुलर और 1301 प्राइवेट हैं। परीक्षाओं के लिए 18 केंद्र बनाए गए हैं। एडीपीसी गिरीश तिवारी के अनुसार हिंदी परीक्षा में 768 में से 736 विद्यार्थी उपस्थित रहे और 32 अनुपस्थित रहे। नकल का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ।

कर्मचारियों के अवकाश पर 30 मई तक प्रतिबंध

उज्जैन। भारत की जनगणना 2027 के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का महत्वपूर्ण कार्य 1 से 30 मई तक किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी ने निर्देश जारी किए हैं। कार्य की अनिवार्यता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के सभी प्रकार के अवकाश पर प्रतिबंध लगाया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में फूड प्रोसेसिंग सेक्टर को मिल रही नई ऊंचाई

उज्जैन संभाग बन रहा देश का बड़ा फूड प्रोसेसिंग हब, 7300 करोड़ का निवेश

5800 से ज्यादा रोजगार

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उज्जैन संभाग तेजी से देश के प्रमुख फूड प्रोसेसिंग हब के रूप में उभर रहा है। राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियों और निवेश प्रोत्साहन के परिणामस्वरूप यहां खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित हुआ है। उपलब्ध औद्योगिक आंकड़ों के अनुसार केवल फूड प्रोसेसिंग और एग्रो आधारित उद्योगों में ही लगभग 7300 करोड़ से अधिक का निवेश और 5800 से ज्यादा रोजगार के अवसर बने हैं।

संभाग में स्थापित हो रही फूड प्रोसेसिंग इकाइयों ने इस क्षेत्र की पहचान को पूरी तरह बदलने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। पहले जहां यह क्षेत्र मुख्यतः कृषि उत्पादन के लिए जाना जाता था, वहीं अब यहां कृषि आधारित उद्योगों का तेजी से विस्तार हो रहा है। सोयाबीन, आलू, मसाले, दाल और डेयरी उत्पादों पर आधारित उद्योगों की मजबूत श्रृंखला विकसित हो रही है, जिससे उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग और मार्केटिंग तक एक संपूर्ण वैल्यू चेन तैयार हो रही है। इससे न केवल उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है, बल्कि किसानों को भी अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिल रहा है।

उज्जैन संभाग के सातों जिले उज्जैन, देवास, मंदसौर, नीमच, रतलाम, शाजापुर और आगर-मालवा इस औद्योगिक विस्तार का हिस्सा बन रहे हैं, जिससे क्षेत्रीय संतुलित विकास को भी बल मिल रहा है इन उद्योगों के स्थापित होने से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स को कच्चा माल स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो रहा है, जिससे सोयाबीन, आलू, मसाले और दालों की मांग में तेजी आई है। इससे किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है और उनकी आय में वृद्धि हो रही है। साथ ही, कंपनियां सीधे किसानों से खरीद कर रही हैं, जिससे बिचौलियों की भूमिका कम हो रही है और किसानों को बाजार से बेहतर जुड़ाव मिल रहा है। इससे मध्यप्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और राज्य आत्मनिर्भरता में आगे बढ़ रहा है।

स्वदेशी उत्पादों की विदेशों में धूम देश और राज्य दोनों के लिए यह फूड प्रोसेसिंग हब महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। इससे स्वदेशी खाद्य उत्पादों का उत्पादन बढ़ रहा है और निर्यात को भी बढ़ावा मिल रहा है। खाद्य सुरक्षा मजबूत हो रही है और भारत की वैश्विक बाजार में स्थिति बेहतर हो रही है। उज्जैन संभाग अब केवल एक कृषि क्षेत्र नहीं रहा, बल्कि यह औद्योगिक और कृषि आधारित विकास का संतुलित मॉडल बनकर उभर रहा है। रोजगार के साथ क्षेत्र का समग्र विकास रोजगार के क्षेत्र में भी इस फूड प्रोसेसिंग हब का बड़ा प्रभाव देखने को मिल रहा है।

विश्वप्रसिद्ध कंपनियों के आने से उज्जैन को मिली नई पहचान

बड़ी कंपनियां दे रही बदलाव को नई दिशाफूड प्रोसेसिंग सेक्टर में बड़ी कंपनियों की एंट्री ने इस बदलाव को और गति दी है। पेप्सिको इंडिया होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड, मैकेन फूड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एआरएफएम फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, अमिटेक्स एग्रो प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड, विप्पी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आडानी विल्मर लिमिटेड, सोनिक बायोकेम एक्सट्रैक्शन लिमिटेड, सफल फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, महाशियन दी हट्टी प्राइवेट लिमिटेड (एमडीएच), आरईएलएसयूएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और इस्कॉन बालाजी फूड प्राइवेट लिमिटेड जैसी बड़ी और विश्वप्रसिद्ध कंपनियां यहां आ चुकी हैं। इससे उज्जैन को नई पहचान मिली।

कलेक्टर ने जिले में नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाया

उज्जैन। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने ग्रीष्म ऋतु में भू जल स्तर में गिरावट को दृष्टिगत रखते हुए संपूर्ण जिले में अशासकीय एवं निजी नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाया है। आदेशानुसार जिले की सीमा में नलकूप / बोरिंग मशीन संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अनुमति के बिना प्रवेश नहीं करेंगी (सार्वजनिक सड़कों से गुजर रही मशीन को छोड़कर) ।और बिना अनुमति के कोई नया नलकूप खनन नहीं करेगी। बिना अनुमति अवैध रूप से जिले में प्रतिबंधात्मक स्थान पर प्रवेश करने पर मशीन जब्त कर एफआईआर दर्ज की जाएगी। आदेशानुसार समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को उनके क्षेत्र के अंतर्गत अपरिहार्य प्रकरणों के लिए एवं अन्य आवश्यक प्रयोजनों के लिए उचित जांच के पश्चात अनुज्ञा के लिए प्राधिकृत किया जाता है। निजी नलकूप एवं अन्य विद्यमान निजी जलस्रोतों का आवश्यकता होने पर सार्वजनिक पेयजल व्यवस्था के लिए अधिग्रहण किया जा सकेगा। 3उक्त आदेश के उल्लंघन करने पर प्रथम अपराध के लिए पांच हजार रुपए का जुर्माना और पश्चातवर्ती प्रत्येक अपराध के लिए दस हजार रुपए या कारावास से ,जो दो वर्ष तक का हो सकेगा से दंडनीय होगा।

चिंतामण बायपास का विरोध तेज

रेलवे के नए सर्वे पर भड़के ग्रामीण, किसानों और वैदिक गुरुकुल के बटुकों ने किया प्रदर्शन

उज्जैन। रेलवे की प्रस्तावित चिंतामण बायपास योजना को लेकर किसानों, ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों का विरोध तेज हो गया है। शुक्रवार को मंगरोला रोड पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान वैदिक गुरुकुल के बटुक भी विरोध में शामिल हुए।

प्रदर्शन कर रहे किसानों का आरोप है कि रेलवे विभाग पहले ही सर्वे और नक्शे की प्रक्रिया पूरी कर चुका था, जिसमें किसानों की जमीनें चिन्हित की गई थीं। इसके बावजूद अब दोबारा सर्वे के नाम पर क्षेत्र में खंभे लगाए जा रहे हैं और भूमि का चिन्हांकन किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित बायपास से मंगरोला सहित आसपास के कई गांव प्रभावित होंगे। किसानों के मुताबिक अकेले मंगरोला गांव के करीब 38 किसान सीधे तौर पर इस परियोजना की जद में आ रहे हैं। वहीं गांव की लगभग 40 से 50 बीघा जमीन प्रभावित होने का अनुमान है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इस योजना से स्कूल, वेद आश्रम, चिंतामण और मंगरोला को जोड़ने वाली मुख्य सड़क, बाग-बगीचे और कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी प्रभावित होंगे। किसानों ने कहा कि शिप्रा केबिन क्षेत्र की ओर से कम दूरी और कम लागत वाला वैकल्पिक अंडरपास मार्ग बनाया जा सकता है। किसान दीपक, जीत सिंह फौजी और सूर्यपाल सिंह ने बताया कि इस संबंध में कई बार प्रशासन और रेलवे विभाग को शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। गुरुकुल के संचालक आचार्य दीपक पाठक ने भी योजना का विरोध किया। धर्मशाला परिसर में विभिन्न राज्यों से आए 25 से 50 बटुक वैदिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जो इस योजना से प्रभावित होंगे।

मॉडल से साध्वी बनीं हर्षा रिछारिया का पहला प्रवचन

कथा सुनने उमड़ी भीड़, बोलीं- '52 शक्तिपीठों से बनी 52 वर्णमाला'

उज्जैन। मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रहीं हर्षा रिछारिया ने संन्यास लेने के एक माह के भीतर ही प्रवचन की शुरुआत कर दी है। शुक्रवार को उज्जैन से करीब 22 किलोमीटर दूर लक्ष्मीपुरा गांव से उन्होंने अपने प्रवचन की शुरुआत की।

यहां 108 कुंडीय यज्ञ के दौरान उन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से करीब डेढ़ घंटे तक देवी शक्ति, माता सती और 52 शक्तिपीठों का महत्व बताया। भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनका प्रवचन सुनने पहुंचे। अपने पहले प्रवचन में हर्षा बोलीं कि हिंदी वर्णमाला में जैसे 52 शब्द होते हैं, वैसे ही शक्तिपीठ भी 52 हैं, इनसे निकले बीज मंत्र से 52 वर्णमाला बनी है।

लक्ष्मीपुरा गांव में आयोजित कार्यक्रम के लिए जगह-जगह बड़े होर्डिंग लगाए गए थे, जिन पर "देवी प्रवचन - हर्षानंद गिरी" लिखकर उनकी तस्वीरें लगाई गई थीं। दोपहर करीब एक बजे शुरू हुए प्रवचन में हर्षा ने राजा दक्ष और माता सती की कथा से शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बिना निमंत्रण कहीं नहीं जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने 52 शक्तिपीठों और हिंदी वर्णमाला के 52 अक्षरों को जोड़ते हुए धार्मिक व्याख्या भी की। 19 अप्रैल को उज्जैन स्थित मोनी आश्रम में पंचायती निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज के सानिध्य में हर्षा ने विधिवत संन्यास ग्रहण किया था। संन्यास के बाद उन्होंने गृहस्थ जीवन त्यागकर 'स्वामी हर्षानंद गिरी' नाम अपनाया। उनके संन्यास को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा और सवाल भी उठे, लेकिन हर्षा लगातार अपने विरोधियों को जवाब देती रहीं।

किसान कांग्रेस अध्यक्ष पर जिला बदर की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन

किसानों ने मंडियों-उपार्जन केंद्रों की समस्या उठाई

उज्जैन। किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अशोक जाट पर हुई जिला बदरी की कार्रवाई के विरोध में शुक्रवार से कलेक्टर कार्यालय पर अनिश्चितकालीन होने वाले धरना प्रदर्शन को सांकेतिक करके आधे घंटे तक मौन प्रदर्शन किया गया। दरअसल, इंदौर के पूर्व विधायक अश्विनी जोशी के निधन की खबर लगते ही प्रदर्शन को सिर्फ सांकेतिक कर दिया गया। इस दौरान कांग्रेस विधायक महेश परमार, शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी, नेता प्रतिपक्ष रवि राय सहित अन्य कांग्रेसियों ने कलेक्टर कार्यालय पर पहुंचकर मौन प्रदर्शन किया।

विधायक महेश परमार ने बताया कि अशोक जाट के खिलाफ हुई कार्रवाई स्वीकार नहीं है। उन्होंने लगातार किसानों की आवाज उठाई और दो केस दर्ज होने पर उन्हें जिला बदर कर दिया गया। कांग्रेस नेता रवि राय ने आरोप लगाया कि अशोक जाट लगातार मंडियों और उपार्जन केंद्रों पर किसानों की समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहे थे और किसानों की हक की लड़ाई लड़ रहे थे। इसी कारण प्रशासन ने उनके खिलाफ जिला बदरी की कार्रवाई की है। कांग्रेस ने इसे किसान की आवाज दबाने का प्रयास बताया है। जारी आदेश के अनुसार अशोक जाट को छह माह के लिए उज्जैन जिले के साथ-साथ सीमावर्ती जिलों देवास, इंदौर, रतलाम, शाजापुर, मंदसौर, धार और आगर मालवा की राजस्व सीमाओं से बाहर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

हालांकि आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि अशोक जाट के खिलाफ उज्जैन जिले की किसी अदालत में प्रकरण लंबित है, तो वे नियत तारीख पर पेशी के लिए आ सकेंगे। इसके लिए उन्हें संबंधित थाना प्रभारी को पूर्व सूचना देना अनिवार्य होगा और पेशी के तुरंत बाद आदेश का पालन सुनिश्चित करना होगा।

प्रशासन को सोमवार तक का समय

कांग्रेस ने सोमवार तक का समय प्रशासन को दिया है। अब विधायक महेश परमार और शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी सोमवार सुबह 11 बजे से समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठेंगे। दरअसल, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक जाट निवासी थाना भैरवगढ़ को छह माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए थे। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत की गई है।

शासकीय आईटीआई में गुजरात की कंपनी का कैंपस आयोजित

138 में से 135 छात्रों को दिया रोजगार

उज्जैन। प्राचार्य विवेक मिश्रा (शासकीय संभागीय आईटीआई उज्जैन) द्वारा स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्लेसमेंट ड्राईव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आईटीआई उज्जैन एवं उज्जैन संभाग के लगभग 138 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान कंपनी के प्रतिनिधियों ने छात्रों को सोलर पंप & माडयूल, एल.ई.डी बल्ब के साथ साथ कृषि उपकरण निर्माण के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों एवं करियर विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उसंस्था की प्लेसमेंट ऑफिसर के द्वारा बताया गया कि साक्षात्कार के माध्यम से 135 छात्रों को कंपनी द्वारा ऑफर लेटर प्रदान किए गए।

जिला पंचायत सीईओ कूमट की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट संवर्धन के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

गर्भवती व धात्री महिलाओं को जागरूक करें - सीईओ कूमट

उज्जैन। उज्जैन जिले को कुपोषण से मुक्त करने एवं मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से जिले में महिलाओं एवं बच्चों में पोषण सुधार के सतत् कियान्वयन के लिए चलाये जा रहे प्रोजेक्ट संवर्धन के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रेयांस कूमट की अध्यक्षता मे शुक्रवार, 08 मई को जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अशोक कुमार पटेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बृजेश त्रिपाठी, जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी एवं प्रोजेक्ट सवर्धन जिला नोडल अधिकारी डॉ.सुनीता परमार, समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी, समस्त परियोजना अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनीष भद्रावले, सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कूमट ने प्रोजेक्ट संवर्धन की समीक्षा कर निर्देश दिए कि प्रोजेक्ट संवर्धन मे स्वास्थ्य विभाग व महिला एवं बाल विकास की ओर से जवाबदेह फिल्ड मॉनिटरिंग संयुक्त रूप से नियमित मॉनिटरिंग करें। प्रोजेक्टर संवर्धन अंतर्गत नियुक्त मॉनीटर विशेष रूचि लेकर फिल्ड मे भ्रमण कर शिशु,धात्री महिलाएं, गर्भवती महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार के लिए समस्त गतिविधियों का पालन सुनिश्चित कर स्वास्थ्य की गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करवाए। धात्री महिलाओं को स्तनपान के लिए प्रेरित कर स्तनपान के महत्व को बताकर उसका फॉलोअप भी करें। तराना के पोषण पुनर्वास केन्द्र में पोषण प्रशिक्षक द्वारा भर्ती बच्चों की माताओं को प्रोजेक्ट संवर्धन के बारे मे एल.ई.डी. में वीडियों के माध्यम से जागरूकता प्रदान की जा रही है, जिसकी प्रशंसा की गई। इसी प्रकार जिले मे समस्त पोषण पुनर्वास केन्द्रों में स्थापित एल.ई.डी. पर वीडियो के माध्यम से पोषण संबंधी जागरूकता प्रदान करें। सभी फिल्ड स्तरीय मॉनीटर क्षेत्र में भ्रमण कर स्वयं हितग्राही के घर जाकर बच्चें की जांच, लम्बाई एवं पोषण स्तर के सभी मापदण्ड अनुसार जांच करें।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित. प्रधान संपादक: सुनील वर्मा
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com,